

# अध्ययन से अन्वेषणात्मक मानस का विकास Developing an explorative mind through reading





दिनांक 14.09.2021 को श्री अमित शाह, गृह मंत्री की उपस्थिति में श्री नित्यानंद राय, गृह राज्य मंत्री से 'केनरा ज्योति' पत्रिका के लिए 'कीर्ति पुरस्कार' (गृह पत्रिका श्रेणी के लिए 'ग'-क्षेत्र में प्रथम स्थान) ग्रहण करते हुए श्री एल वी प्रभाकर, प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी।

Sri L V Prabhakar, MD & CEO receiving Kirti Puraskar (First in House Magazine Category-C Region) for Canara Jyoti Magazine from Sri Nityanand Rai, Minister of State for Home Affairs in the presence of Sri Amit Shah, Minister of Home Affairs on 14.09.2021.



दिनांक 07 और 08 अगस्त, 2021 को उदयपुर में आयोजित 'बिज़नेस कॉन्क्लेव' के दौरान श्री एल वी प्रभाकर, प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी और कार्यपालक निदेशक श्री देवाशीष मुखर्जी, सुश्री ए मणिमेखलै, श्री के सत्यनारायण राजू और श्री बृज मोहन शर्मा।

Sri L V Prabhakar, MD & CEO & Executive Directors Sri Debashish Mukherjee, Ms A Manimekhalai, Sri K Satyanarayana Raju and Sri Brij Mohan Sharma, seen at the Business Conclave conducted at Udaipur from 07th to 08th August 2021.

ADVISORY COMMITTEE

L V Prabhakar  
Debashish Mukherjee  
L V R Prasad  
V Ramachandra  
Shankar S  
M K Ravikrishnan  
H M Basavaraja  
Y L Bhaskar  
Kishore Thampi  
Om Prakash N S

**EDITOR**  
Kishore Thampi  
**ASST. EDITORS**

Sajeev K  
Keerthy P C  
सह संपादक (हिंदी)  
ओमप्रकाश एन एस

**Edited & Published by**  
Kishore Thampi  
Senior Manager  
House Magazine & Library Section  
HR Wing, HO, Bengaluru - 560 002.  
Ph : 080-2223 3480  
E-mail : hohml@canarabank.com  
for and on behalf of Canara Bank

**Design & Print by**  
Blustream Printing India (P). Ltd.  
#1, 2nd Cross, CKC Gardens,  
Lalbagh Road Cross, Bangalore - 560 008.  
Ph : 080-2223 0070 / 2223 0006.

The views and opinions expressed herein are not necessarily those of the Bank. Reproduction of the matter in any manner with the permission of the editor only. For private circulation only. Not for Sale.



CONTENTS

- 2 प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी का संदेश / MD & CEO's Message
- 4 संपादकीय / Editorial
- 5 New CGM'S Messages
- 6 New GM'S Messages
- 8 The importance of reading - beyond wisdom, towards solace - Abrar Ul Mustafa
- 10 Spend time with your best companion - books - Dhandayudhapani R
- 12 आदतन पढ़ने की अहमियत - ओमप्रकाश एन एस
- 15 Cartoon
- 16 Magical world of books - Sharat B Udayashankar
- 18 The joy of reading - R Raghavendran
- 20 किताबों की अनोखी दुनिया - मोनालिसा पंवर
- 21 अभिव्यक्ति - अनिता रेलन
- 22 Circle News
- 27 75<sup>th</sup> Independence day Celebration at Head Office
- 28 Business Strategy Meet - Bengaluru
- 30 प्रधान कार्यालय में हिंदी दिवस समारोह आयोजन
- 31 अंचल समाचार
- 34 Better articulation through reading - Teena
- 36 Legal Column - Renjith Chandran R
- 38 Read to expand your knowledge and wisdom - Rochak Dixit
- 40 Econ speak - Dr Rashmi Tripathi
- 42 आसमां में सुराख - बी के उप्रेती
- 46 भारत का परचम - अमित कुमार
- 47 अध्ययन की प्रासंगिकता और केनरा बैंक के प्रयास - विश्वनाथ प्रसाद साहू
- 50 My reading habit - Dhanya Palani Yadav
- 51 बचपन - अस्मिता द्विवेदी
- 52 Revel in it - Bharathi D
- 53 Baby's Corner
- 54 Homage
- 56 Book Review

प्रबंध निदेशक एवं  
मुख्य कार्यकारी अधिकारी  
का संदेश



MD & CEO's Message

प्रिय केनराइट्स,

एक राष्ट्र के रूप में हम महामारी से उत्पन्न चुनौतियों का सामना धैर्य, दृढ़ संकल्प और महामारी से संबंधित दिशानिर्देशों के सख्त अनुपालन के ज़रिए कर रहे हैं। परिणामतः, चालू वित्त वर्ष में हमारी अर्थव्यवस्था पहले से ही तीव्र आर्थिक सुधार और वृद्धि की राह पर अग्रसर है।

हमारे बैंक ने भी इस अवसर पर कारोबार निरंतरता और हमारे मूल्यवान ग्राहकों और कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हमारी तकनीकी क्षमताओं का भरपूर लाभ उठाते हुए हमारे कारोबार मॉडल में सुधार करते हुए इन परिस्थितियों में भी उल्लेखनीय निष्पादन किया है। अपनी अडिग प्रतिबद्धता, व्यावसायिकता और समर्पण के साथ, हमने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में देश का तीसरा सबसे बड़ा सार्वजनिक क्षेत्र का बैंक बनने का नया मील का पत्थर हासिल किया है।

हमारा वैश्विक कारोबार ₹17 लाख करोड़ को पार कर गया है और शुद्ध लाभ 190% (वर्ष-दर-वर्ष) बढ़कर ₹1177 करोड़ हो गया है। अगस्त 2021 के महीने में सफलतापूर्वक ₹2500 करोड़ इक्विटी पूंजी जुटाकर हमारे पूंजी आधार को और मजबूत किया गया है। अनर्जक आस्ति (एनपीए) अनुपात को कम करते हुए हमने अपनी आस्ति की गुणवत्ता में भी सुधार किया है। आगे, आने वाले दिनों में बैंक के विस्तार के साथ-साथ व्यापक स्वरूप के विकास की राह पर अग्रसर कराने की दृष्टि से हमने खुदरा ऋण, वसूली, कासा और कृषि व संबद्ध ऋणों में निरंतर प्रगति का निष्पादन किया है। हमें क्रिसिल क्रेडिट रेटिंग में भी संशोधन प्राप्त हुआ है। हमारे बैंक के टियर I बांड (बेसल III के तहत) रेटिंग को अद्यतित कर 'क्रिसिल एए/स्थिर' से 'क्रिसिल एए+/स्थिर' कर दिया गया है। इसके अलावा, क्रिसिल ने टियर II बांड (बेसल III के तहत) और लोअर टियर II बांड (बेसल II के तहत) पर अपनी 'क्रिसिल एएए/स्टेबल/क्रिसिल ए1+' रेटिंग और जमा प्रमाणपत्र पर अल्पकालिक रेटिंग की भी पुष्टि की है।

मैं आप सभी को इस ज्ञानदार उपलब्धि के लिए बधाई देना चाहता हूँ। बहुत बढ़िया, आप लोग ऐसे ही अच्छा काम करते रहें!! सर्वोच्च तक पहुँचने की हमारी यात्रा जारी है और मुझे यकीन है कि हम आने वाली

Dear Canarites,

We as a nation have steered through the challenges posed by the pandemic with grit, determination and strict observance of the pandemic related guidelines. As a result, our economy is already on the path of sharp economic recovery and growth in the current financial year.

Our bank has also risen up to the occasion by leveraging our technological competence and transforming our business model to ensure business continuity and safety of our valued customers and staff. With your undeterred commitment, professionalism and dedication, we have achieved the new milestone of becoming the 3rd largest public sector bank in the country in the first quarter of the current financial year.

Our global business has crossed ₹17 lakh crore and Net profit is up by 190% (Y-o-Y) at ₹1177 crore. Our capital base has been further strengthened by successfully raising ₹2500 crore equity capital in the month of August 2021. We have also improved our asset quality by lowering the NPA ratios. Further, we have shown steady progress in retail lending, recovery, CASA and Agricultural and allied credits, providing a wide-spectrum of growth trajectory for the bank to explore and surge forward in the days to come. We have also received revision in Credit ratings from CRISIL. Our Bank's Tier I Bonds (under Basel III) rating has been upgraded to 'CRISIL AA+/Stable' from 'CRISIL AA/Stable'. Further, CRISIL has also reaffirmed its 'CRISIL AAA/Stable/CRISIL A1+' ratings on the Tier II Bonds (under Basel III) and Lower Tier II bonds (under Basel II), and the short-term rating on the certificate of deposit.

I want to congratulate each and every one of you for this stupendous achievement. Bravo and keep up the good work!! The journey to the top continues and I am sure that we are well prepared and equipped to deal with the challenges on the way and achieve newer heights in the coming quarters.

चुनौतियों से निपटने और आगामी तिमाही में नई ऊँचाइयों को छूने के लिए तैयार और बेहतर रूप से सुसज्जित हैं।

सितंबर माह को “हिंदी माह” के रूप में मनाया जाता है और इस उत्सव में पूरे दिल से भाग लेना और हमारे स्टाफ सदस्यों के बीच एकता की इस भाषा की प्रासंगिकता और महत्त्व को फैलाना संगठनात्मक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है। यह बहुत गर्व की बात है कि हमारे बैंक ने “ग क्षेत्र” के लिए “केनरा ज्योति” प्रकाशन के लिए प्रतिष्ठित “कीर्ति पुरस्कार” (गृह मंत्रालय द्वारा निर्धारित) जीता है, यह इस तथ्य को दोहराता है कि हमारे संगठन में राजभाषा कार्यान्वयन को बहुत महत्त्व दिया जा रहा है।

यहाँ मैं आप सभी से आग्रह करता हूँ कि आप अपने पढ़ने की आदत और अपनी जानकारी के अद्यतन और उन्नयन के लिए समय का निवेश करें, क्योंकि नए युग का मंत्र है “ज्ञान ही शक्ति है”। अपने संबंधित विशेषज्ञता के क्षेत्र में और उद्योग/वैश्विक घटनाओं के बारे में ज्ञान प्राप्त करने से आपको बैंकिंग उद्योग में लगतार उभरकर सामने आ रही चुनौतियों से निपटने के लिए आवश्यक क्षमता और आत्मविश्वास प्राप्त होगा। साथ ही, पढ़ना हमेशा हमारे सोचने की क्षमता में नए क्षितिज खोलता है और आत्म-विकास और सुधार के नए दृष्टिकोण बनाता है। इसलिए, कृपया अपने कौशल और दक्षताओं को बढ़ाने में निवेश करने की दिशा में समय निकालें और पढ़ने की आदत डालें।

जबकि हमने मजबूत बुनियादी ढांचे और बेहतर वित्तीय निष्पादन के साथ उद्योग में अपनी पहचान मजबूत की है, साल के अंत के लक्ष्यों को प्राप्त करने का मार्ग अभी भी लंबा और चुनौतीपूर्ण है। चूंकि, इस वित्त वर्ष में केवल 6 महीने शेष हैं, आइए हम अपने सर्वोत्तम प्रयासों को आगे बढ़ाते रहें और देश में ‘सर्वश्रेष्ठ बैंक’ बनने के सपने साकार करने की ओर बढ़ने की दिशा में मिलकर काम करें।

साथ ही, हम सभी को अतिरिक्त सावधानी बरतनी चाहिए और कोविड प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन करना जारी रखना चाहिए क्योंकि कोविड की तीसरी लहर की संभावना बढ़ रही है। सामाजिक दूरी, मास्क और सैनिटाइजर का उपयोग हमारे दैनिक जीवन का हिस्सा होना चाहिए और साथ ही हमारे सभी ग्राहकों को भी इसका पालन करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

सुरक्षित, मजबूत और स्वस्थ रहें और अपना और अपने परिवार का ख्याल रखें।

**आप सभी को बहुत-बहुत शुभकामनाएं!**

मंगल कामनाओं सहित,

आपका,

**एल वी प्रभाकर**

प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी

The month of September is celebrated as “Hindi Month” and it is significant from an organisational perspective to join wholeheartedly in this festivity and spread the relevance and importance of this language of unity amidst our staff members. It is a matter of great pride that our Bank has won the coveted “Kirti Puraskar” (adjudicated by the Home Ministry) for “Canara Jyoti” publication for “C Region”, reiterating the fact that Official Language implementation is being given lot of significance in our organisation.

Here I urge each of you to find time to invest in the habit of reading and upgrading and updating your knowledge, as the mantra of the new era is “knowledge is power”. Gaining knowledge in your respective areas of specialisation and of the current happenings in the industry/around the world, will provide you the much needed competence and confidence to handle the ever evolving challenges in the banking industry. Also, reading always opens up new horizons in our thinking prowess and creates new vistas for self-development and improvement. So, please find time to invest in amplifying your skills and competencies and usher in that habit of reading.

While we have strengthened our mark in the industry with stronger fundamentals and better financial performance, the path to achieve the year end goals is still long and challenging. With only 6 months remaining in this financial year, let us continue putting our best efforts forward and work together towards gravitating closer towards the dream of becoming the numero uno bank in the country.

Also, we should all be extra careful and continue to strictly follow the Covid protocols as the threat of a third wave of Covid is looming large. Social distancing, use of masks and sanitizers should be part of our daily vocabulary and also our customer and clientele base should also be encouraged to follow suit.

Stay safe, Stay strong and healthy and take care of yourself and your families.

**“Wish you all the very best”**

With warm regards,

Yours sincerely

**L V Prabhakar**

Managing Director & CEO

## संपादकीय



## Editorial

हम आपस में जुड़ी हुई दुनिया में रहते हैं जो सूचना और संचार के बढ़ते आदान-प्रदान का मार्ग बनता जा रहा है। कभी-कभी विशाल मात्रा में मौजूद इन तत्वों, जिन्हें हमारे दैनिक जीवन में जगह मिल गई है, को संग्रहित करना और समझना मुश्किल हो जाता है। तकनीक ने मानव गतिविधियों के लगभग सभी आयामों में प्रगतिशील विकास के मामले में नई उपलब्धियां प्रदान की हैं। जैसे-जैसे मानवीय संसर्ग कुछ हद तक कम हुए हैं, गैजेट्स के प्रति हमारा लगाव काफी बढ़ गया है। हम अपने जूनून और शौक को पूरा करने के लिए समय नहीं निकाल पाते क्योंकि हम खुद किसी यंत्र, या तो मोबाइल या लैपटॉप या किसी अन्य इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से बंधे होते हैं। जिन पुस्तकों को हम पहले पढ़कर आनंद लेते थे, वे अब अपरिचित सी लगती हैं। पढ़ना एक विस्मृत सा शौक बन गया है क्योंकि हम अक्सर ज्ञान और जानकारी हासिल करने के लिए अन्य विकल्पों का सहारा लेते हैं। लेकिन पढ़ने के अपने फायदे हैं। अच्छी किताबें पढ़ने से एक अनभिव्यक्त खुशी प्राप्त होती है, जिसे बदलना या प्रतिस्थापित करना मुश्किल है। जैसे-जैसे हम जीवन की राह पर आगे बढ़ते हैं, इसमें कई तरह के उतार-चढ़ाव आते रहते हैं और यह युक्तिपरक है कि हम अपने जीवन की राह पर पेश आने वाली सर्वोत्तम चीजों को आत्मसात करें और ज़ाहिर सी बात है कि पढ़ना भी उनमें से एक श्रेष्ठ गुण है।

**श्रेयस का यह विशेष संस्करण** विशेषतया पढ़ने की खुशी और किस प्रकार इस चमत्कारिक आदत से लोगों की धारणा, दृष्टिकोण और कुछ हद तक व्यक्तित्व में भी सकारात्मक बदलाव आता है, को समर्पित है। हमारे लेखकों, जो उत्साही पाठक भी हैं, ने अपने लेखों, कहानियों और उपाख्यानों के माध्यम से इस गहनता को उजागर करने के लिए कड़ी मेहनत की है और यह प्रदर्शित किया है कि दैनिक जीवन में उनके लिए पढ़ने का क्या आशय है। कुछ व्यक्तियों के लिए यह विरेचन है, और अधिकांश के लिए उनके आंतरिक स्व से जुड़ने का एक माध्यम। ये कहानियाँ और कविताएँ आपको एक पुस्तक प्रेमी की मानसिकता की अतल गहराइयों में उतरते हुए यह समझने में मदद करेंगी कि किताब पढ़ने की प्रक्रिया के दौरान क्या होता है। कुछ लेखकों ने इस पर भी संकेत दिए हैं कि इस आदत को कैसे विकसित किया जाए और इसे जाने दिए बिना कैसे आगे बढ़ाया जाए। यह बात मायने रखता है कि आप शुरुआत में क्या पढ़ना चुनते हैं क्योंकि यही अक्सर आपका मार्गदर्शन करने के लिए प्रकाश की किरण के रूप में काम करता है और पढ़ने को एक गंभीर उद्यम के रूप में स्वीकार करने के लिए आप के अंदर ईमानदारी विकसित करता है।

आशा है कि आप इस विशेष संस्करण को पढ़ने का आनंद लेंगे। जैसा कि हम आपसे सुनना पसंद करते हैं, कृपया हमारे **गृह पत्रिका व पुस्तकालय के वेबपेज पर केननेट में/या** [hohml@canarabank.com](mailto:hohml@canarabank.com) पर मेल के माध्यम से अपनी प्रतिक्रिया/टिप्पणियाँ अवश्य दें या आप हमें हमेशा 080-22233480/9986693808 पर कॉल कर सकते हैं।

किशोर थंपी  
संपादक

We live in an interconnected world which is increasingly becoming the pathway for heightened exchange of communication and information. Sometimes it becomes difficult to store and decipher this bombarding voluminous content that has found a place in our everyday lives. Technology has provided new upshots in terms of progressive development in almost all genres of human activity. As the human interactions have reduced to some extent, our attachment to gadgets have risen considerably. We do not find time to pursue our passions and hobbies as we feel ourselves being tethered to a device, either a mobile or a laptop or any other electronic medium. The books that we used to read and enjoy earlier seems to be like alien entities now. Reading has become a forgotten hobby as we often resort to other substitutes to gain knowledge and information. But reading has its own merits. There is an unexplained joy that you derive out of a good book, which is hard to replace or substitute. As we hurtle down and cruise along the path of life, it makes sense to rein in (at times) and reminisce its best parts, reading obviously being one among them.

This Special Edition of Shreyas is an ode to the joy of reading and how this wondrous habit can change ones perception, outlook and to some extent even personality. Our authors, who are also avid readers, have taken pains to elicit this profundity through their articles, stories and anecdotes and showcase what reading means to them in their day to day lives. For some it is cathartic, and for many it the medium to connect with their inner self. These stories and poetries make you delve deep into the mindset of a book lover and understand what transpires during the process of reading a book. Some authors have also given cues on how to develop this habit and how to pursue it without letting go. It matters what you pick to read initially, as that often acts as beacon of light to guide you and develop in you an earnestness towards taking reading as a serious vocation.

Hope you enjoy reading this special edition. As we love to hear from you, please drop in your feedback/ comments by visiting **our HM&L Webpage in Cannaet** / or as mail to [hohml@canarabank.com](mailto:hohml@canarabank.com) / or you can always call us at 080 - 22233480 / 9986693808.

Kishore Thampi  
Editor

It is a moment of utmost pride and happiness for me that I have been bestowed with the opportunity to work as Chief General Manager of our great organization. At this juncture I would like to thank our top management for their guidance and faith upon me and my appreciation to all my colleagues and subordinates for their support through the years.



Banking Sector has witnessed tremendous changes over the past decade with the advent of technology, the entire spectrum has seen a sea-change. Moreover, the last FY was particularly challenging wherein we all displayed extreme resilience and adaptability during the pandemic and ensured seamless delivery of services to our customers with safety of all concerned.

Let us emphasize upon the thrust areas of Retail Deposits, including CASA, expanding Retail Assets, Agriculture, MSMEs, Corporate lending and Recovery. It is pertinent to mention that our organization is now No 3 among our peer Banks which is a big thing to cherish and henceforth let us all strive together to become No1 in the near future.

Best regards,

**M Paramasivam**  
Chief General Manager

It is an honour and privilege for me to serve this great institution and get elevated as Chief General Manager. I would like to thank almighty and also would like to express my sincere gratitude to our management for reposing confidence and faith in me. I thank my seniors and colleagues for their inspiration, guidance and support for the last 37 years in our Bank. Coming from a humble background and reaching this higher echelon of our Bank is really a cherishing moment in my life. As we all know, the present day banking industry is rapidly changing and despite the pandemic scenario across the globe which has impacted the businesses and lives, our bank has been in the forefront in supporting the economy and has outperformed many peer banks and going strong with sound fundamentals. As the saying goes "When the going gets tough, the tough gets going" – Joseph Kennedy is aptly applicable to our great institution and its committed workforce i.e., "CANARITES". Let's march together to make our bank the "Best Bank" in our country. We should set an Industry standard for speed and quality in delivery of services & ease of doing business. For this to happen all "CANARITES" have to re-dedicate ourselves to sharpen our skills on a day to day basis and adapt ourselves to meet the requirements of the present market scenario. My humble request for all the senior colleagues is to take responsibility to handhold, groom the young talents who have to take the lead in running our bank.



Every CANARITE is the Brand ambassador of our products and our Bank. Let's inculcate this instinct in our work force. We have all the potential with substantial customer base and pan India reach, technology, young and enthusiastic talent and above all the synergies of Canara and syndicate banks. At the outset, I have always put in my best efforts to serve this great organization with dedication and devotion. On this occasion I reiterate to commit myself and continue to serve our bank with same spirit.

Together We can, Together We will

Best Wishes

**Sri. K.H. Patnaik**  
Chief General Manager

It is an honour and privilege to have been elevated to the post of General Manager of this great institution. I sincerely thank the top management of our bank of having reposed their confidence in me and found me worthy and capable to hold this coveted and responsible post. I also take this opportunity to express my sincere gratitude to all my superiors, colleagues and friends who have constantly guided, encouraged and supported me throughout my career. I will do my best to excel in my position to ensure development and betterment of our beloved institution. I joined this prestigious institution as Probationary Agriculture Extension Officer way back in the year 1990.



My journey of more than 3 decades in our bank has been exceedingly gratifying and rewarding with opportunities to work in various capacities in diverse areas of banking. I pledge to continue to serve my institution with renewed zeal and enthusiasm. Our Bank is on the way of achieving coveted position of Top bank in the Country and also the best bank to bank with and work in under the able guidance and leadership of our Top management. At this juncture, I appeal all my colleagues to work together with more dynamism and support our Top Management to achieve this vision.

Assuring all Canarites 100% support and cooperation in all our endeavours in the days to come.

Together We Can, Together We Will Always.....

**S Premkumar**  
General Manager

It is indeed a great honour and privilege to be elevated to the coveted post of General Manager in our esteemed and beloved bank. I take this opportunity to express my heartfelt gratitude and thanks to the Top Management of our Bank in reposing faith, trust and confidence in me and giving me the opportunity to take higher responsibilities in the bank. I am indebted to my seniors and colleagues for their unflinching support and love at every moment of my career. I wish to thank my family members also for their unstinted yet silent support in my work. It's a matter of great pride that our bank has grown impressively under the present Top Management and has become the 3rd largest bank among all PSBs (and 4th largest in the banking industry including private sector banks). Knowledge is the power and competency building is the need of the hour. We need to develop our soft skills and upgrade our competencies. Let us strive hard to make our bank "The Best Bank to Work With & The Best Bank to Bank With".



At the moment, the banking industry and our country is passing through a tough and challenging phase due to COVID 19. It's a tough time for our bank too but it's rightly said that "When Going Gets Tough, Tough Gets Going." Starting off as a Security Officer in 1997, have traversed through various roles and responsibilities over the years in the bank. Our excellent traditions and time tested work culture has offered me the opportunity to serve, grow and deliver results at all levels. My strong belief in Team Work and Team Building yielded desired results at every stage of my career. I pledge to continue to serve this great institution with renewed zeal and enthusiasm to uphold the noble cause and values for which our beloved institution is known for.

Together We Can

**Major Joginder Singh Ghangas**  
General Manager



It is indeed a great honour and privilege to be elevated to the post of General Manager in our mighty institution.



I express my heartfelt gratitude to this great organization, its golden traditions and wonderful work culture for offering me the opportunity to serve, grow, gain experience and deliver results consistently at all levels and in all positions, and finally enable me to attain this position. I am grateful to all my illustrious superiors for their guidance and patronage. And above all, my heartfelt thanks to all my committed colleagues and subordinates for their abundant love and unflinching support, who have toiled shoulder to shoulder, in all my endeavours.

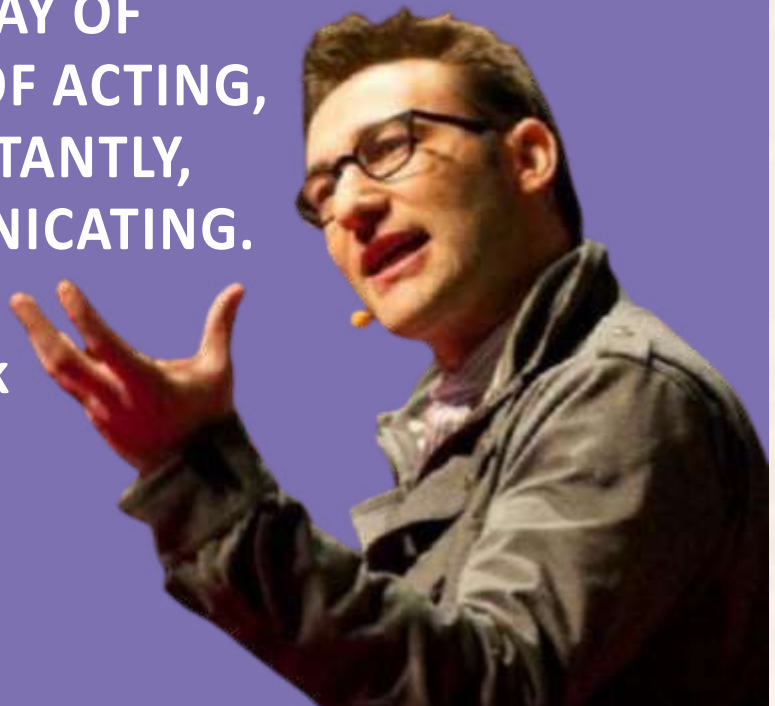
During my eventful career spanning over more than three decades, I have witnessed tremendous changes in the banking sector, and have watched with pride and satisfaction how Canara Bank has grown and progressed over time and became the 3rd largest bank in the country. I appeal to all my sisters and brothers in Canbank family to rededicate our heart & soul and maintain these noble traditions and take the bank to greater heights and glory.

Together We Can

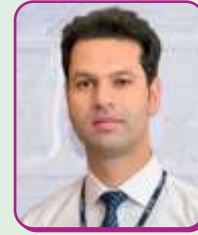
**K A Sindhu**  
General Manager

“**LEADERSHIP IS A WAY OF THINKING, A WAY OF ACTING, AND, MOST IMPORTANTLY, A WAY OF COMMUNICATING.**

**- Simon Sinek**



## The importance of reading - beyond wisdom, towards solace



**Abrar Ul Mustafa**  
Manager,  
IIM Manawala,  
C.O Chandigarh

Zulkarnain Lateef, 28-a Physiotherapist by chance and an avid reader by choice-sits back late in the evening and reads. Reading is more than just a hobby to Zulkarnain. It is beyond superficial services for him. "Reading is a part of behavioural modification for me. It helps me to avoid being jaded, cynical and pessimistic" Lateef says with confidence evident on his stubbled face. Not only Lateef, for every passionate reader out there, reading is also a way of life that has been profiting them in ways unthinkable. For some, flipping through is fun and for others, reading is mandatory. Some readers seek knowledge whilst others read for a remedy. Some bibliomaniacs seek to infer the world of others and some readers seek counselling to find comfort. We can't travel around the world, so we wrote books. Leafing through a book is like going to a place and living there without physical service.

It is a fact that long-term reading gives you invaluable privileges. When a person gets into the habit of reading, he gets the wisdom of various topics, demographics, cultures, geographies, etc. This insight comes in handy when we communicate and discuss. "I use the knowledge, consciousness and content of reading to strengthen my discourse," says Mohit, an entertainment speaker and anchor. "Every time I talk, I remember something I read in books and it makes me ready to talk," he adds with a smile on his face. This makes you an important individual. You are highly regarded for your reasoning and reading. In return, you evolve as a good speaker, a clever debater and an outstanding communicator.

In popular parlance, reading books, articles and stories are useful for the development of general awareness and proficiency. It nourishes our vocabulary and amplifies the syntax and semantics. It adorns our communication skills. It sharpens our spirit of ingenuity and imagination.

"I have prospered a lot from reading. I learned new things," says Inam ul Haq, editor-in-chief of the weekly Business Kashmir. "Reading habit has developed my vocabulary, enriched my communication skills, especially my writing and editing skills" he adds. This fact is endorsed by all. The first and foremost advantage that anybody can think of is an enhancement in knowledge and vocabulary. "Reading contributes to expanding the vocabulary and makes us well informed," adds Mohit.

Lateef points out while enlisting the benefits of reading, "It improves the communication capacities and also assists in dealing with societal affairs more clinically" he adds while raising his eyebrows in emphasis. That is only the tip of the iceberg, though. During the writing of this feature story, I met such diverse perspectives on reading that my mind was open to so many possibilities. Speaking with readers broadens your thoughts and takes you on a tour of a myriad of different worlds. Almost all readers concede to the certainty that reading reduces their burden. Reading gives them pleasure. "When I read atleast a few pages in the evening," Lateef says with satisfaction "I go to bed with a feeling that my day is made." This is the power of Bibliotherapy.

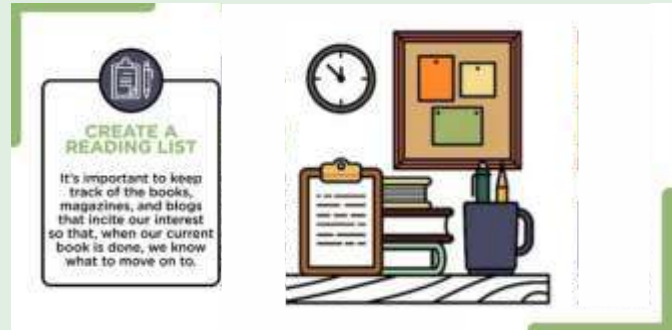


Reading opens up the realm of others in front of your eyes. Unlike a film—where the director wants the audience to look at the perspective he wants us to look

at-a book allows readers to judge and explore. Kishore Krishnan Thampi, 47, a banker while speaking to the author presents his views upholding the aforementioned facts. "It (reading) widens my imagination. Unlike a movie-where the whole frame is presented to you—a book titillates you to run riot with your imagination" he says. In a world filled with prejudice and judgment, reading tends to establish a balance in the thought process. We are taught to consider the perspectives and meanings of others. "Reading balances me in many ways" Kishore continues "it enhances my thinking prowess and my ability to take a righteous decision." The benefits and impact of reading over the perspectives of people are amazing. Reading brings the human out of a reader. Keeping all the differences aside, when a reader reads, he looks at the others' philosophies and essences. Their problems and pains. Majid Maqbool, a freelance writer, while responding to how reading benefits him, says, "Reading humanises me; makes me empathetic of the human condition of other people, their stories and culture." Majid enlightens us towards a substantial but often overlooked virtue of reading. Superficially, we do not think on these lines. This concept is far from conventional comprehension. "Apart from giving us comfort and information" Majid goes on "reading helps us to understand civilizations better." Reading takes us on a journey that other people have experienced. At the moment, we understand their perspectives, their anxieties and their stakes. Malorie Blackman, a British writer who held the position of Children's Laureate from 2013 to 2015, says, "Reading is an exercise in empathy; an exercise in walking in someone else's shoes for a while."

Reading is a great route to bring optimistic upheavals in a person. And these transformations are for the better. When you read, you can relate to so many people. We learn new lessons, lessons of life. We become civilised and learn etiquettes from books. Over time, readers prosper in their personalities. Positive, clear, empathetic and compassionate. On that note, Majid shares his point of view. "When you read something, a book for example" he explains "you are not the same person after reading it; you are changed, for the better."

Throughout this story, we asked our respondents how to develop the habit of reading. We received many well-thought-out responses and opinions. In addition to



recommendations such as daily reading and reading since childhood, we have obtained some answers that are worthy of mention. "For a beginner, the reading time should be between 15 and 20 minutes daily. Start from reading newspaper articles or read an easy or an interesting book" Zulkarnain advises new readers. He goes on to add "The reader should increase the duration of reading with time." Likewise, in addition to the emphasis on reading daily, Inam suggests skimming different content including fiction. "Fiction must be part of daily reading routine" he tells. Malorie Blackman emphasises the development of the habit of constant reading saying, "The person who doesn't read when he can is no different than the person who can't read at all." Wise people are well-read. They have advised reading. We should impel our youth to read publications, stories and articles instead of lingering on to social media and smartphones. Internet is consuming our life like blood-thirsty beasts. If we give good habits to our children at an early age, they would thank us later. Put your wards to study. Read along with them. Read out stories to them. Kishore recalls how he began reading, "My brother took me to a library one day" he scratches his brain and goes on "and started reading a book by Ludlum and then and there the seeds were sown." Kishore's elder brother inspired him to read books. On this day, Kishore thanks his brother. With a smile on his face he adds, "I wanted to be like my brother and read that voluminous hardbound treasure."

Postscript: The age-old words of wisdom that books are the best friends still hold meaning. Books give you a lot and ask for nothing in return except for some attention and time. Invest in books and reading. Adorn your brain with the jewels in the study. Put on your personality a new sheen. Let's conclude with the words of Anna Mary Quindlen, an American author and a Pulitzer Prize winner: "Books are the plane and the train and the road. They're the destination and the journey. They are home."

\*\*\*\*\*

## Spend time with your best companion - books



**Dhandayudhapani R**

Manager  
Specialised ARM Branch II  
Bangalore

American writer, Mark Twain said, "A person who won't read has no advantage over a person who can't read". Story teller, author, humourist Mr. Garrison Keilor said "A book is a gift you can open again and again". Antony Christopher Grayling, British philosopher and writer said: "To read is to fly: it is to soar to a point of vantage which gives a view over wide terrains of history, human variety, ideas, shared experience and fruits of many inquiries".

The importance of reading has never been over emphasized. Reading, to the mind is what exercise is to the body. A person who is addicted to the habit of reading is the most liberated soul on earth, for he fears nothing, no adversity can pull him down. His confidence and his out of the box thinking will make him the favorite of every other person. He is the quintessential individual with whom any one likes to be around with.

One of the best habits one can inculcate in childhood is reading. This shapes personality. It can be said that you become what you read. Reading 'literally' transforms one's personality and the pun is intended. Reading and literacy are corollary to one another, despite existence of difference between the two. Literacy does not mean teaching the children to read. But every voracious reader is literate as one need to know how to read in order to read avidly.

Books improve communication skills. To be able to communicate without any ambiguity per se is half the job done, whatever be the endeavor. Books lead one to get acquainted with extra ordinary words in the language. Reading also helps us learn the usage of the words. Better vocabulary leads to better expressions. Reading also enhances the ability to comprehend and grasp what is intended to be conveyed by the orator/ author as the case may be. This leads to better understanding of situations and better solutions.

Reading as a habit enlightens our horizons as it leads us to a better understanding of different cultures/ civilizations. It is technically impossible to live in the times of all great civilizations that ever existed on this planet. However, reading provides as an opportunity to live that life when still ensconced within the cozy confines of one's abode. It leads to greater understanding of people, civilization, and leads to a healthy respect for other human species that are co inhabitants of this planet. It helps build harmony and mutual trust for one another. "A reader lives thousand lives before he dies. The man who never reads, lives only one" said Khalil Gibran. This understanding of different cultures plays a great role in addressing conflicts in different regions of the world.

Reading and absorbing contents of various books by various authors leads to sublime changes in our personality. Over a period of time this slow but persistent metamorphosis results in transformation of the individual and leads to an altogether different persona, albeit one that the rest of the world looks upon with awe. It is innate in every human being to be recognized. In these times of cut throat competition, who does not like to be appreciated and rewarded? If one wants to stand out in a crowd of individuals, and win that share of pie, reading helps. Habit of reading definitely leads to better recognition and better rewards and at times can instantaneously catapult one to fame.

Habit of reading leads to one of the most important achievement: it imparts knowledge. Knowledge is power. In today's world having knowledge of the right thing, being at the right place and at right time leads to success. Knowledge gain on a certain subject/ topic leads to building confidence, which is an important trait/ attitude. This knowledge makes one delve deeper into the finer aspects of the subject. Thus knowledge begets knowledge. At initial stages of cognitive development, introduction to various topics lead the academicians to

reach out to the students and understand the choice of subject. This leads to the pupil achieving excellence in the subject.

Individuals who are addicted to reading are individuals who have better understanding of humanity, civilizations, and cultures. With their knowledge of whole gamut of human emotions, they are natural leaders. One life time is too short to undergo each and every experience by oneself. It is therefore necessary that one learn from the experiences of other individuals, which increases one's area of expertise. This leads to out-of-the box thinking which results in solutions to an array of problems, however complex and troublesome they are. It can be surmised that greatest leaders are voracious readers.

Every individual cannot get to spend moments with Stephen Hawkings or Isaac Asimov or our very own Sir. A P J Abdul Kalam.. But reading their works / writings provides us with a unique opportunity to spend time with the smartest people the planet has ever produced, be it Albert Einstein or Leonardo da Vinci. This ability to spend time, learn and transform oneself, transcends all physical and geographical boundaries. We get insights into the working of the greatest minds the planet has ever produced. This also inspires us to think better, bigger and out of the box, eventually making us a better version of our previous self.

Reading is an excellent stimuli to which the human mind responds very positively. Be it stressful days or being in the middle of certain adversities. Reading soothes the mind and helps us keep our sanity. Life springs surprises at one and all and surprises may not always be pleasant. An encouraging book or an interesting story soothes the mind and calms us down. This better prepares us for bigger challenges in life. It is not an exaggeration if it is stated that reading book at moments of travail/ adversity works as a therapy.

Today all of humanity is engaged in a frantic rat race. Stress, strain, and fatigue are words used with impunity. This has led to series of health hazards. One such issue is insomnia. Except children, most of the individuals are facing this issue. It is well proven and strongly recommended that reading before bed time helps fight insomnia better. Reading habit scores a high five when compared with electronic devices such as computers or mobile phones. Psychologists would want people to have

healthy thoughts before going to bed and this is best done by reading a book. A good book before going to bed guarantees good quality sleep, which is a big and pertinent requirement in today's health conscious world.

Reading books of a particular era/ time literally transports one to that world. People look at various measures of escape from reality. All the various infamous measures to escape from reality viz., consumption of liquor etc., are laced with severe side effects and consequences to the individual at the personal level and to the society at large. Reading a book to escape from reality / travails of mundane life is the only such diversion that is besides being an excellent escape, also very rewarding. The mind is able to create its own canvas of the scenario which is quite different from the one envisaged by the author of the creation which by itself is very rewarding. If it is surmised that reading books creates unique experiences, it may not be an exaggeration.

Reading certain books of one's choice, taste, and liking creates immense amount of pleasure. The reading takes the reader to the world of imagination, boosting creativity in the process. These are the pleasures the readers refer to, when they state that the book is 'unputdownable'. The results of such books are wholesome entertainment/ transportation to the magical world created by the author.

Further, there are many great works of great authors which are picturized as movies, be it Hollywood or our very own Bollywood. It is pertinent to note here that the picture portrayed on screen is the director's interpretation of the book. In other words, it is his imagination that we the movie goers get to see. But when the same classic is read by us, the imagination, the perception is altogether at another euphoric level. Best examples in this category can be General Lee Wallace's Ben Hur, Micheal Crichton's Jurassic Park, and not to say the least J K Rowling's Harry Potter series.

Reading books is the best non-canine companion to human beings. Ever since civilization learnt to communicate with one another, creation of language, script and thereby books have been the greatest gifts mankind ever had and continues to have.

On habits, renowned author A G Gardiner had stated: Do not let habits to be your masters and you be the master of your habits. But I am sure to let "reading habit" be your master would be wholly rewarding!!.

\*\*\*\*\*

# आदतन पढ़ने की अहमियत



**ओमप्रकाश एन एस**  
वरिष्ठ प्रबंधक  
राजभाषा अनुभाग  
प्रधान कार्यालय, बेंगलूरु

## प्रस्तावना :

मनुष्य को सुखमय जीवन व्यतीत करने के लिए कर्म करने की आवश्यकता पड़ती है। कर्मप्रधान व्यक्ति ही जीवन में वास्तविक सुख का आनंद प्राप्त कर सकता है। अकर्मण्यता मनुष्य को निराश और भाग्यवादी बनाती है। मनुष्य के कर्म अनेक प्रकार के होते हैं। कुछ कर्म तो वह अनिच्छापूर्वक बाध्यता के साथ करता है, परंतु मनोयोग से किया गया कृत्य ही उसे सच्चा आनंद प्राप्त कराता है। इन समस्त क्रियाओं में अध्ययन सर्वश्रेष्ठ है। अध्ययनप्रिय व्यक्ति स्वयं को सदैव प्रसन्नचित्त अनुभव करता है। आपको पुस्तकों से जो ज्ञान मिलता है वही सच्चा ज्ञान है क्योंकि जीवन में कुछ भी खोया जा सकता है किंतु यदि कुछ शाश्वत है तो वह केवल ज्ञान है।

जब भाषा की क्षमता के सभी पहलुओं के विकास को बढ़ावा देने की बात आती है, तो पढ़ने में न केवल जबरदस्त शक्ति निहित होती है, बल्कि यह मानव जीवन में संपूर्णता प्रदान करती है। यदि समाज में हमें एक प्रभावशाली व्यक्ति बनना है तो अपनी बुद्धि को विकसित करना है और इसके लिए पढ़ना ही एकमात्र विकल्प है। यह हमें जीवन में आगे बढ़ने में मददगार साबित होने के साथ-साथ जीवन के बारे में एक नया दृष्टिकोण प्रदान करता है और सकारात्मक सोच जागृत करते हुए जीवन में सही दिशा की ओर ले जाता है। जितना अधिक आप पढ़ते हैं उतना ही अधिक भाषा कौशल और शब्दावली विकसित होती है। पढ़ना, तनाव को कम करने का सर्वाधिक कारगर उपाय है। यह एक सिद्ध तथ्य है कि जिन लोगों में पढ़ने की अच्छी आदत होती है, वे उच्च बुद्धि के लक्षण दिखाते हैं। विविध और समृद्ध विषयों की किताबें पढ़ने से सोच का दायरा बढ़ता है और साथ ही रचनात्मक क्षमता और भाषा कौशल विशेषता भी बढ़ती हैं।

पढ़ने के बारे में रिचर्ड स्टील का यह कथन कितना सच है कि – “पढ़ना दिमाग के लिए वही महत्व रखता है जो शरीर के लिए व्यायाम”। पढ़ने की आदत से हमारे शरीर में आनंद, उल्लास व ऊर्जा का संचार होता है। अतः पढ़ना महत्वपूर्ण है क्योंकि यह व्यक्ति के दिमाग को विकसित करने के साथ-साथ अत्यधिक ज्ञान प्रदान करता है। यह आपको जीवन के उतार-चढ़ाव को गहराई से जानने और अपने आसपास की दुनिया को बेहतर ढंग से समझने में मदद करता है। साथ ही यह आपके दिमाग को सक्रिय रखता है और आपकी रचनात्मक क्षमता को बढ़ाता है। पढ़ना आपके विभिन्न शब्दों के ज्ञान और आपके आत्मविश्वास को बढ़ाता तो है ही, आपके वाचन कौशल को भी विकसित करता है। पढ़ने की आदत के फलस्वरूप आपका दिमाग खुल जाता है और आप एक नई दिशा में सोचने लगते हैं।

## पढ़ने की आदत से सर्वतोन्मुखी विकास :

अध्ययन से प्राप्त आनंद असीमित है। विज्ञान व तकनीकी से संबंधित पुस्तकों का अध्ययन कर व्यक्ति खगोलीय व धरातल के रहस्यों को उजागर करता है। रहस्यों की जितनी परत खुलती जाती है, मनुष्य उतना ही अधिक हर्षोल्लास व रोमांच का अनुभव करता है। इसी प्रकार, साहित्य से संबंधित पुस्तकों के माध्यम से वह मानवीय संवेदनाओं को लिखकर व उनका अध्ययन कर उन्हें प्रकट कर सकता है। साहित्य में निहित लेख, कविताएँ, नाटक, कहानियाँ, लघु-कथाएं, उपन्यास, आत्म-कथाएं आदि के माध्यम से वह मानव ध्येय की संवेदनाओं को छूता है जो उसे पुलकित करती हैं। अध्ययन से मनुष्य का चारित्रिक विकास होता है। अपनी भौतिक शिक्षा के अतिरिक्त वह उन नैतिक मूल्यों को भी ग्रहण करता है जो उसमें आत्मबल व आत्मसंयम प्रदान करते हैं। अध्ययन अर्थात्

पुस्तकों में रुचि रखने वाला व्यक्ति स्वयं को कभी भी एकाकी महसूस नहीं करता है। मुसीबत व परीक्षा की घड़ी में पुस्तकें ही उसका परम विश्वसनीय मित्र साबित होती हैं। उसकी सभी समस्याओं का हल उसे उन पुस्तकों के अध्ययन से प्राप्त हो जाता है।

### मौजूदा परिस्थिति में अध्ययन :

वर्तमान दौर में तकनीकों का प्रसार इस हद तक हो चुका है कि आज पुस्तकों का स्थान मोबाइल फोन, लैपटॉप आईपैड, टैबलेट आदि ने ले लिया है। इनका आकर्षण इतना अधिक हो गया है कि लोगों ने पुस्तकों को पढ़ना बहुत कम कर दिया है। आज पुस्तकें न पढ़ने का कारण विविध प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण हैं। इन उपकरणों के कारण लोग भले ही कुछ ज्ञान अर्जित कर लेते हैं, परंतु किसी भी चीज का हद से ज्यादा प्रयोग हानि पहुंचाता है। विशेष रूप से इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के प्रति युवा वर्ग का आकर्षण अधिक है। समय के दुरुपयोग से बचने के लिए पढ़ने की आदत डालना ही इसका एकमात्र विकल्प है।

### पढ़ने की आदत से समय का सदुपयोग :

पढ़ने की आदत के फलस्वरूप हम नित दिन अध्ययनशील रहते हैं। इससे पढ़ने में नियमितता बनी रहती है। समय का उपयोग करने के लिए किताबें पढ़ना सबसे उपयोगी तरीका है। पढ़ने की अच्छी आदत विकसित करने से बेहतर शायद ही कुछ और हो। यह आपको व्यस्त रखता है और आपको जीवन में तनाव से छुटकारा पाने में मदद करता है। जो व्यक्ति पढ़ने की आदत विकसित कर लेता है, वह कभी भी ऊब नहीं सकता। पढ़ने की अच्छी आदत व्यक्ति के लिए वरदान है। यह मस्तिष्क के कार्य को भी बेहतर बनाता है और मस्तिष्क के लिए सबसे अच्छा व्यायाम है। अतः हमें सदैव पुस्तक पढ़ने की आदत डालनी चाहिए। पढ़ने के ज़रिए आप विभिन्न क्षेत्रों जैसे – संस्कृतियों, कलाओं, इतिहास और अन्यान्य क्षेत्रों में बहुत कुछ ज्ञान हासिल कर सकते हैं। इसके अलावा, यदि आप अपनी नीरस दिनचर्या से कुछ अलग करने के इच्छुक हैं, तो आप निरंतर तौर पर किताबें पढ़ना शुरू कर सकते हैं क्योंकि यह आपके तनाव को दूर करता है और आपको सक्रिय और तरोताजा महसूस कराता है।

### ज्ञानार्जन से परिपक्वता :

अध्ययन की अभिरुचि से ही मनुष्य कालिदास, तुलसीदास, चाणक्य, गालिब, रवींद्रनाथ ठाकुर, प्रेमचंद, कबीर, आर.के. नारायण, अगाथा क्रिस्टी, लियो टॉल्स्टॉय, चार्ल्स डिकन्स व शेक्सपियर जैसे महान लेखकों के महान लेखों व विचारों का आनंद उठा सकता है। अध्ययन में रस प्राप्त करने वाला व्यक्ति देश-विदेश में होने वाली घटनाओं की जानकारी रखता है। ऐसे व्यक्ति शोषण का शिकार नहीं हो सकते अर्थात् अध्ययन उनकी उन आपदाओं से रक्षा करता है जो प्रायः निरक्षर व्यक्तियों को अपनी चपेट में ले लेती हैं।

बुद्धिजीवियों का यह मानना है कि टीवी, मोबाइल और सिनेमा कुछ ऐसे माध्यम हैं जो हमें मनोरंजन प्रदान करते हैं, किंतु इन सबसे भी अधिक सशक्त कोई माध्यम है तो वह ज्ञानार्जन का माध्यम है। ज्ञानार्जन की कोई सीमा नहीं होती। पुरुष जन्म से लेकर मृत्यु तक सीखते हैं। ज्ञान मनुष्य को परिपूर्ण बनाता है। पढ़ने की आदत विकसित करने के ज़रिए ही ज्ञान अर्जित किया जा सकता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि पढ़ना विभिन्न स्थितियों को समझने में मदद करता है और उनके साथ व्यवहार करने का एक तीसरा पक्ष भी देता है। संक्षेप में, यह आपको जीवन में विभिन्न स्थितियों को संभालने के लिए समझदार और अधिक जागरूक बनाता है। अतः, पढ़ने की आदत व्यक्ति को अधिक सीख हासिल कराने के अलावा विचारशील बनाता है।

### पढ़ने की आदत समाज के समग्र विकास में मददगार :

अध्ययन में मनुष्य की अभिरुचि सदैव उसे उत्थान की ओर ले जाती है क्योंकि अध्ययन की महिमा अनंत है। किसी भी समाज, राष्ट्र अथवा देश के नागरिक जितना अधिक अध्ययन को महत्व देंगे वह समाज और राष्ट्र उतना ही प्रगतिशील होगा। समस्त विकसित देश विकासशील देशों से इसलिए अग्रणी हैं क्योंकि उन्होंने प्रारंभ से ही अध्ययन को महत्व दिया। शिक्षा का उनका स्तर हमारी तुलना में कहीं अधिक ऊँचा है। अतः समाज सहित राष्ट्र का विकास तभी संभव है जब वह देश में अध्ययन को महत्व देता है।

पढ़ना व्यक्ति की कल्पना और रचनात्मक शक्ति को विकसित

करने में मदद करता है। यह ध्यान केंद्रित करने की शक्ति को भी बढ़ाता है। पढ़ना एक व्यक्ति की कल्पना की क्षमता को भी बढ़ाता है और यह आत्म-सुधार का मार्ग भी है। यह आगे पेशेवर जीवन में बेहतर प्रदर्शन करने की दिशा में कारगर साबित होता है। शिक्षा, उद्यमिता और तकनीकी प्रगति को बढ़ावा देती है। यह लोगों की अपनी और दुनिया के बारे में समझ को समृद्ध बनाती है और उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाती है जिसके फलस्वरूप व्यक्तियों और समाज को व्यापक सामाजिक लाभ पहुंचता है। हमारा देश वर्षों से विदेशी आधिपत्य में रहा है। इन विदेशी ताकतों के कारण तथा हमारी रूढ़िगत परंपराओं के चलते हमारे देश की नारियाँ शिक्षा हेतु सदैव ही उपेक्षित रही हैं। नारी को उसके शिक्षा के अधिकार से वर्षों तक वंचित रखा गया। आज वातावरण में काफी परिवर्तन देखने को मिलता है। नारी शिक्षा को हमारा समाज विशेष प्रोत्साहन देता आ रहा है। अब नारी स्वतंत्र रूप से अध्ययन की ओर अग्रसर हो रही है। इसका सुखद परिणाम हमें स्वतः देखने को मिल रहा है। आज के परिवेश में हम देख रहे हैं कि उसी अध्ययन की शक्ति के फलस्वरूप नारी के सोच-विचार, तौर-तरीके और कुल मिलाकर उसके व्यक्तित्व में आमूलचूल परिवर्तन आया है और इसके चलते वह विभिन्न क्षेत्रों में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रही है। वह यह साबित कर पाने में काफी हद तक सफल हो पाई है कि पुरुषों से किसी बात में वह कम नहीं है और यह निःसंदेह अध्ययन से ही संभव हो पाया है। इस प्रकार हम देखते हैं कि मनुष्य में अध्ययन की अभिरुचि उसके सर्वांगीण विकास में सहायक है। अध्ययन से मनुष्य में वे सभी तत्व सहज रूप से आ जाते हैं जो उसके चारित्रिक विकास में सहायक होते हैं।

### लेखन, संप्रेषण व रचनात्मक कौशल का विकास :

उपन्यास पढ़ने से, कई बार हमें कुछ ऐसे रोचक तथ्य मिलते हैं जिन्हें हम बार-बार पढ़ना पसंद करते हैं। हम अपने लेखन कौशल में सुधार कर सकते हैं क्योंकि पढ़ना आपको दिखाता है कि कैसे लिखना है ताकि आप अपने कौशल का अनुसरण और विकास कर सकें। एकाग्रता के साथ पढ़ने की सबसे आश्चर्यजनक बात यह है कि हम पढ़ने में इतना खो सा जाते हैं कि हमें इस बात का अहसास तक नहीं हो पाता कि समय कैसे गुजर गया। इसके अलावा, पढ़ने से आपकी शब्दावली, भाषा दक्षता में सुधार होता है और साथ ही संप्रेषण कौशल का



भी विकास होता है। यह आपको अपने विचारों को रचनात्मक रूप से उपयोग करने का तरीका सीखने में मदद करता है। अच्छा संप्रेषण जीवन के हर पहलू में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। पढ़ना पाठक को कल्पना की दुनिया में ले जाता है और एक तरह से आपकी उत्पादकता और रचनात्मकता को बढ़ाता है। पढ़ना आपको विभिन्न विशेषताओं से जीवन का पता लगाने में मदद करता है। जब आप किताबें पढ़ते हैं, तो आप अपने दिमाग में कल्पनाशील और रचनात्मक विचार, दृष्टि और राय विकसित करते हैं। यह आपको विशिष्ट रूप से सोचने और उस विलक्षण सोच का उपयोग करते हुए उसे कार्य रूप में ढालने के प्रति प्रेरित करता है।

### निष्कर्ष :

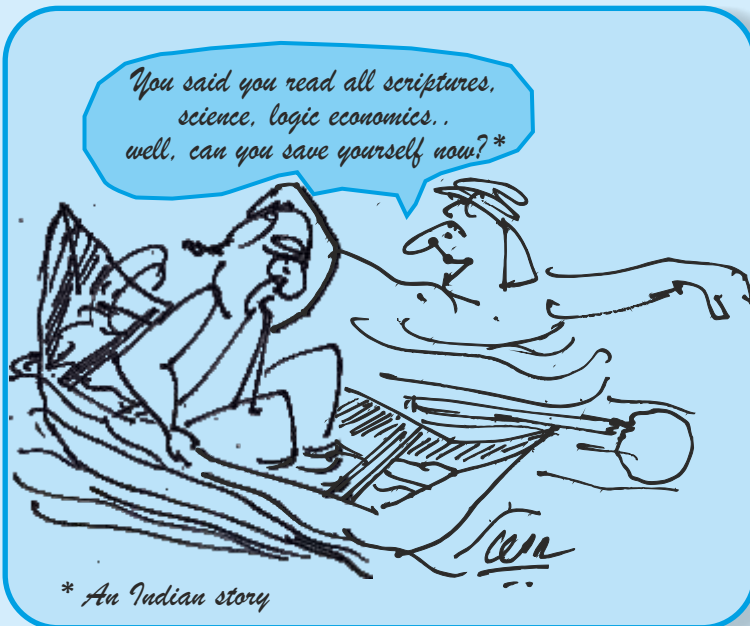
पढ़ना ज्ञानार्जन का सर्वाधिक कारगर उपायों में से एक है। पढ़ने की आदत व्यक्ति के सबसे अच्छे गुणों में से एक है। पढ़ने की आदत डालने के कई फायदे हैं। विज्ञान का कहना है कि स्वास्थ्य के नज़रिए से भी पढ़ना फायदेमंद है क्योंकि अलज़ाइमर उन लोगों पर हमला नहीं कर सकता जो प्रति दिन एक किताब पढ़ते हैं। यह हमारे ज्ञान को बढ़ाने, दिमाग को सक्रिय, मजबूत और स्वस्थ रखने के साथ-साथ जीवन के प्रति एक नया दृष्टिकोण प्रदान करने, उसकी बारीकियों को जानने-समझने, आत्मसुधार करने, आत्मविकास व अपनी सोच के दायरे को बढ़ाने और कुल मिलाकर समग्र व्यक्तिगत विकास करने में सहायक होती है। इस प्रकार हम देखते हैं कि मनुष्य में अध्ययन की अभिरुचि उसके सर्वांगीण विकास में सहायक है। अध्ययन से मनुष्य में वे सभी तत्व सहज रूप से आ जाते हैं जो उसके चारित्रिक विकास में सहायक होते हैं।

\*\*\*\*\*





Refer to "drawer" by:  
K P Ramesh Rao



\* An Indian story



## Magical world of books



**Sharat B Udayashankar**  
Senior Manager  
HROD Section  
HR wing, HO

“Learning gives creativity – Creativity leads to thinking  
Thinking provides knowledge – Knowledge makes you  
great.”  
— A.P.J. Abdul Kalam

That's what our beloved Ex-President and the missile man Sri APJ said about learning. Learning is a continuous process. The day it stops, the downfall begins. Life itself is such a big teacher and it is said that when the student is ready to learn, the master appears.

Books are really the treasures of human creativity and civilization. They play a great role in shaping our lives, sometimes as a teacher, sometimes as a guide, and many a times as a friend. Can we imagine a world without books? Guess not, it looks impossible. They are the guiding lights of our lives. They have been part of our growing, be it personal, social or professional. They are the magical time machines which have the ability to take us to the various realms of our imagination. They share our pain, pleasure and guide us to lead the future with confidence. They can even talk to us.

“One glance at a book and you hear the voice of another person, perhaps someone dead for 1,000 years. To read is to voyage through time.” said Carl Sagan, the astrologist & author. True isn't it? We start reading early in our life. May be during our kindergarten days. It becomes an inseparable part of our lives through our education. While some get bored of studying and choose to start earning, the learning still continues when they are forced to go through their professional training and the related manuals/references. Especially for bankers like us, we need to be updated always to function effectively. Reading, thus is a permanent activity to those who can read. But how could it change for the better, if one cultivates the love & passion for reading? The playwright W Somerset Maugham says “To acquire the habit of reading is to construct for yourself a refuge from almost

all the miseries of life.” Books explore creativity and clarity in everyone's minds. They are the teaching tools for teachers, a sea of knowledge for lifetime learners. Reading books makes our life fresh and active each day. Reading books every day is as important as bathing and brushing. I just can't imagine this world without books.

Reading good books explore our past, present, and future. India is a land of great epics and literary works, such as the The Bhagawad Gita, Ramayana, Mahabharata and our most treasured Vedas and Upanishads. Scriptures like these have helped us mould our society with great values. They are always guiding lights. We can solve millions of present time problems while reading & referring such great works. They shape our personalities and in turn shape our society and the nation.

Books have been with us from school times, they never die. Reading is very helpful in increasing our focus in life. They are the shoulders we can rest on when we are down, they are the friends whom we can trust upon to lift us when we feel lonely. When you read you learn, you think less and receive more. Your brain starts working on new words and beliefs. This increases and builds new cells in the brain which in turn make us more confident, focused and balance our thought process in the mind. That's why books are not only teachers, but also medicines.

Whenever one feels angry, confused, nervous, negative and stressed, they should just open and read any practical book such as poetry, essay, motivational speeches. We can surely get relief, become positive, focused, energetic, and creative again. Reading becomes more fun and relaxing, when it is done amidst nature, under the trees, beside a cascading waterfall etc. It's amazing to experience that feeling. If you haven't tried this, please do.

Reading relevant books align us with our career and life goals. It is a natural therapy to reduce stress and balance our thought processes. I don't know why some people shy away from books and not understand the importance of reading. I have been lucky to have read some great novels, works of fiction, mystery etc. Lucky because I was born in the pre-digital era. Now, though there is plenty of information available on the internet and the world has gone digital, the fun of reading is not the same again. The feel of reading a paperback is not the same when it is through a Kindle or e-book. Due to my work and paucity of time, I had to forcibly move away from my books. They were always near to me and I miss them. Hope they miss me too!

Books give us data, information, and knowledge. That combination of data and information will give you the intelligence you can use in your business and career. Whatever you read daily will keep updating the knowledge inside you. That's why reading books is a really important source of knowledge which helps you to become successful in any field you're working on.

Books also make many people rich..some by reading, some by writing, some by selling. It doesn't matter if you like to read in printable form or on Kindle or on your computer. That's OK! Just read it! Be convinced that there are thousands of writers writing their life experiences, success stories, life lessons, expertise, knowledge, and thoughts and billions of people reading them to become knowledgeable from the experiences of others. That's the power of books and reading. Sometimes, reading books align our brain in the direction of our goals in life.

It's common that in the virtual world there are various types of information that our brain is processing daily. Some information makes us negative, distract us from our goals. When you start reading good books in line with your career or goals, they will align your brain (through positive vibes) towards your goals. Reading motivational books helps and increases focus. And focus and confidence help in career development and to achieve goals in life.

Book reading also gives one the peace of mind and silence we may be looking for. They are great stress busters. Books are a uniquely portable magic. Thinking differently

means you have more knowledge and more perspectives about the subject. In books, you learn and become aware of the experiences of the writer and many others. What may take hundreds of years, to get as much experience as we can in a specific field or work, by reading books, we get those experiences by the time we finish them. It is indulging and at times, intoxicating too. Understanding this will impact our actions positively and we will be able to achieve more in our career and life. Books increase our capacity for thinking and working.

Books are great friends of a human being. Whenever you feel alone and distressed get a book and start learning. It will immediately start communicating with you and soon make you feel lighter and happy. Books are really GOD for humans. May be that is why, Saraswati, the Hindu goddess is synonymous for knowledge. Reading books improve our communication skills too. They help us to express our thoughts in a speech in a better way. The more we read the more new words our brain starts gaining and add them to our vocabulary. It will help us when we start talking or writing. They help us improve written and verbal communication.

Creativity, imagination, and thinking play a great role in our careers. Creativity is really important to be known as different. Doing something differently explores our imagination and we start thinking deep (critical, logical & analytical). This is not possible without reading and learning. Imagination is more powerful than knowledge and use of knowledge makes you great!

When you know about the benefits of reading, you should spread the word about it to others. If you're a parent then when you read books in front of children then they will also learn from you. And it's really important for children to read books. It's tough to teach kids to read books without learning or reading in front of them. Reading books is also the best habit that is followed by many successful people (all the more reason to get into this habit soon!!). They make your minds sharp and help to increase your memory power.

So, friends start reading books. Henry Miller says "Remember, A book lying idle on a shelf is wasted ammunition." After all, in the end we all become stories to be told by others. Let us become good ones.

Jai Hind!

# The joy of reading



**R Raghavendran**  
Senior Manager  
SME Bidadi branch

Like some popular intriguing definitions Webster dictionary defines reading as the act of reading! The Oxford definition is comparatively down to earth. It says reading is the particular way in which you understand a book, situation, etc.

## The childhood blues

Most enjoyable things sometimes, are made out to be terrible. Children fear reading for two reasons – One is failure to understand and the other the external force to memorize what is not understood.

This aversion creeping in during school days can be overcome with planning and attention.

## Why We Read?

Reading expands our mental horizon, deepens our understanding of life and gives richness of experience. Reading is one key to wisdom, the others being experience and Master-Student instructions. Experience is a good teacher, but her course is life-long. Masters are hard to get these days. So experience of the masters through their creative works is a rosy path to the world of bliss.

## Symbols and semiology

In pre-historic times, thoughts would have intrigued the cave man greatly. The urge to express oneself beyond sounds would have been a pleasure. From the cave carvings, the ancient people moved to the Sumerian symbols to represent words.

A writer writes to express himself. The tension to find proper words and form are compared to the breathlessness of labour pain. Reading is an equally challenging activity. A reader connects to the writer's mind in intricate ways and adds sub-lime paths of the thought network. In the process, the reader creates new

symbols of ideas in his abstract thought world or re-interprets the symbols used by the writer to fit into his own domain of syntax and semantics. Thus a semiotic system is formed with reference to the particular reader. When this reader communicates his thoughts, he adds to the chunk of human knowledge.

## Reading for writing

Which activity came first in the world, reading or writing? This is a difficult question. Thinking is the proto cause for both. We may say scribbling is the seed of writing and blabbering the origin of language. But reading naturally leads to writing. Involved seeds of ideas have to be expressed. Every writer is a good reader and Every reader has a writer in himself.

## Types of reading

It depends on the purpose. Reading newspapers, social media posts and bill boards provide information that keeps us in the groove. But reading serious works that demand time and energy is an active process.

These tips may help becoming a habitual serious reader:

- 1 Plan the number and titles to be read in a year in advance. Keep milestones



- 2 Keep the book being read open; When mind is ready, do not allow it to go back
- 3 Switch between topics, authors and subjects
- 4 Take short notes
- 5 Identify the most important sentence in the book and the most important person, event and word
- 6 Write about what you read
- 7 Become a member of reading clubs or groups. Beware of the time killers in the form of groupism or strong posturing

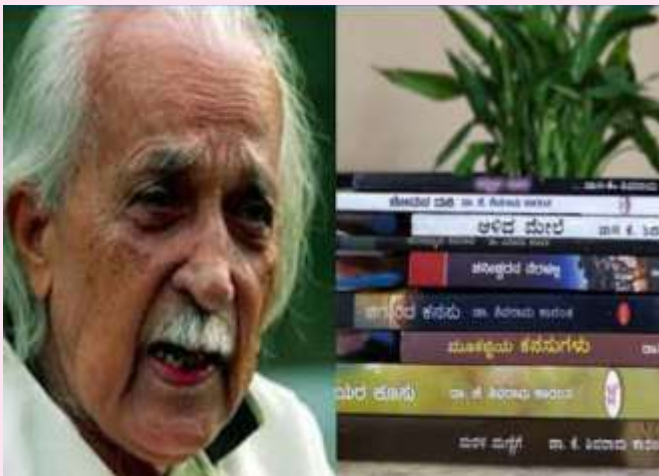
### Reading and Travelling

Our country is blessed with never ending forts, ports, waterfalls, city walls, prisons, palaces, holy places, forests, peaks, beaches, museums, towers, monuments, people, cultures and so on, that require a life time to see and adore. The train lines that criss-cross the country is the best way to understand India. Travelling to historical places and geographical beauties after reading about the place enhances the experience. After travel, writing about the place enriches the memories. Vivekananda followed these lines. Gandhi did that.

### Selecting the books

This depends on one's inclination and attitude. To start with we can have a list of masterpieces in Indian and Foreign languages.

For example, we can understand the late 19th century's life in South Karnataka from Shivaram Karanth's "Marali Mannige"; we can live the life of a disturbed wandering teacher in juxtaposition with innocent village folks in a



picturesque remote Palakkad village, from O V Vijayan's "Khasakkinte ithihasam". We may get into the psychology of adventurism and vanity of life's turmoil from the Tamil classic Pa Singaram's "Puyalile oru Thoni". The travails of the villagers in Bengal during the days of partition and the life of a handsome intelligent youth who got mentally deranged due to a forbidden wish, can be appreciated from "Nilkantha Pakhir Khoje" by Atin Bandyopadhyay.

The joy and thrill of a people who see the ocean and the train for the first time and their sufferings in a banana republic are magically depicted in "Hundred Years of Solitude" by Marquez. Sufferings in 19th century Russia are written in tears and blood by Leo Tolstoy and Dostoevsky. The story of ancient Mangolian population being culturally washed by the new rising Chinese empire is presented in the Wolf Totem. Victor Hugo, Alexandar Dumos, Emerson, Shelly on the one hand and Kalidasa, Premchand, Kuvempu, Thagazhi, G V Apparao, Kandehar, Sarat Chandra, Tagore, on the other, are beckoning us to live a thousand lives through their creative genius.

Non-fictions are equally attractive. Sapiens, The Last Moghul, A brief History of Time, Pale Blue Dot etc are historically, culturally and scientifically quite rewarding reads.

### Conclusion

A book has life. It has the smell of paper and ink; It breaths the mind of the author too. It is an experience to cherish to hold a book in hand.

Reading can be inculcated into a habit. Novels, Short stories, Autobiographies, Travelogues, poetry, science fiction, new technology, professional expertise, comedies sit in libraries and stores waiting for us. Poetry is a concentrated sweetmeat of literature. Novel is the main course. Short story is the dessert. Essays are soft drinks. Travelogues are hot tea on a rainy day. There are multiple languages but translated versions are a boon.

Let us start or re-start serious reading, else we miss a magic world.

\*\*\*\*\*

# किताबों की अनोखी दुनिया



**मोनालिसा पंवर**  
 एकल खिडकी परिचालक  
 एलआईसी शाखा, जोधपुर

एक ऐसी दुनिया, जो बाहरी दुनिया से मिलाए  
 बाहर है कितना छल, उस छल से बचाए  
 कहने को तो सभी हैं अपने  
 लेकिन हमें सही बुरे की पहचान सिखाए  
 सचमुच वही तो सच्चा दोस्त कहलाए

जो सोचे अगर सच्चे दोस्त की क्या निशानी है  
 ना महसूस होने दे अकेलापन  
 संग हमारे उसकी भी जिंदगानी है  
 वही है हमारा अपना, यही तो हमारे अपने होने की कहानी है

बचपन से ही एक अच्छा हमराही बन जाए  
 देती है दुनिया धोखा, वो हर धोखे से बचाए  
 नहीं जानते हैं कि दुनिया का विस्तार है कितना  
 वो हमें दुनिया से पार ले जाए

एक सच्चे साथी सा हमें सही मार्ग दिखाए  
 जब हो मुसीबत में हमें पार लगाए  
 जो पा लेते हैं उसमें जगह  
 हमें चाहत नहीं कोई ओर रहती है

सच्ची दोस्ती किताबों से कितनी गहरी होती है  
 एक गहराता समंदर है  
 जितना गहराई तक जाएं, उतना ही मूल्यवान बनाती है  
 पाते हैं दुनिया में सम्मान, एक नई पहचान दिलाती है

जो अपना दिल से, उसी की हो जाती है  
 नहीं मांगती बदले में कुछ भी हमसे  
 फिर भी खुशी से संग हमारे रहती है  
 एक सच्चे हमराही सी संग चलती है

# अभिव्यक्ति

निर्णय करना है हम सबको  
 अभिव्यक्ति को क्या वाणी दें,  
 मुरझाने दें हिन्दी को या मूलों को पानी दें,  
 छाया इसकी अपनी होगी,  
 शीतल मधुरिम आनंदमयी  
 चेतन करती निज भावों को  
 धारा इसकी वात्सल्यमयी ।  
 प्रण कर लें हिन्दी को  
 हम बनने अब स्वाभिमानी दें,  
 निर्णय करना है हम सबको  
 अभिव्यक्ति को क्या वाणी दें,  
 भारत का कोई भी प्रदेश  
 इसके बगैर नहीं परिपूर्ण  
 अलगाववादी प्रवृत्तियों को  
 हम क्यों करने मनमानी दें  
 निर्णय करना है हम सबको,  
 अभिव्यक्ति को क्या वाणी दें  
 मां के ममत्व सम अमृत  
 इससे वंचित क्यों रहें हम,  
 प्राणों में जगा लें भारतीयता  
 पहले थी जो हमने खोई  
 समृद्ध साहित्य के कुबेर  
 भिक्षा क्यों? हम, आभिमान लें  
 निर्णय करना है हम सबको  
 अभिव्यक्ति को क्या वाणी दें।



अनिता रेलन  
 अधिकारी  
 (सेवानिवृत्त)  
 केनरा बैंक

## HEAD OFFICE

Sri Sumeet Jairath, IAS, Secretary, Department of Official Language, Government of India visited Canara Bank Head Office on 30.07.2021. On this occasion, a Rajbhasha e-seminar was organised. Sri Rajesh Srivastava, Deputy Director (Implementation), OL Department, Sri Kumar Pal Sharma, Deputy Director, Regional Implementation Office (south), and Sri Vikram Singh Sodhi, Assistant Director, Central Hindi Training Institute were present as guest speakers. Sri L V Prabhakar, MD & CEO and EDs Sri Debashish Mukherjee, Ms A Manimekhalai, Sri Satyanarayana Raju, & Sri Brij Mohan Sharma were present in the programme.



Our bank donated 40,000 Masks to Karnataka State Reserve Police at Bengaluru on 03.08.2021. Sri L V Prabhakar, MD & CEO and Ms A Manimekhalai, ED symbolically handed over the masks to Smt. Malini Krishnamoorthy, IPS, ADGP & Principal Secretary to Govt. of Karnataka, PACS and Sri Alok Kumar, IPS, ADGP, KSRP, Bengaluru. Sri L V R Prasad, CGM, Sri Bhavendra Kumar, CGM, Sri M G Pandit, GM and Sri B Chandrasekhara Rao, GM were present on the occasion.



Canara Bank Securities Limited, a wholly owned subsidiary of Canara Bank declared interim dividend of ₹8.89 crore (for FY21-22 including TDS) during the 122nd Board Meeting of the company. Sri LV Prabhakar, MD&CEO received the Dividend Cheque Of ₹8.00 crore from Sri. Debashish Mukherjee, ED of the Bank & Chairman of CBSL on 29.09.2021. Sri Alok Kumar Agarwal, GM, Sri U S Majumder, GM, Sri Sandip K Sinha, AGM, and Independent Director, CBSL Sri T V Rao were also present at the occasion.



## CIBM

An interactive webinar "HR Practices – A Corporate Perspective", coordinated by CIBM Manipal was conducted on 26.08.2021. The Executives of HR Wing, HO, interacted with HRM overseeing executives of all COs and all the heads of ROs Pan-India. Sri LVR Prasad, CGM delivered a talk on the prevailing HR practices of the Bank and the future of HR in the Bank. Sri Shankar S, GM and Sri Kalyan Mukherjee, DGM also participated in the programme.





A three-week Induction Training Programme was conducted for newly recruited POs, AEOs and Specialist Officers across 13 L&D Centres including CIBM, Manipal and CoE Gurugram from 23-08-2021 to 09-09-2021. Sri Shankar S, GM gave the inaugural address of the program on 23-08-2021. Sri LVR Prasad, CGM delivered the valedictory speech on 09-09-2021. Sri Mahesh M Pai, GM, addressed the participants at CIBM.



## BENGALURU

Gold Loan Road Show organised by Circle Office Bengaluru on 16.08.2021 to popularise Gold Loan among public was flagged off by Sri Debananda Sahoo, CGM in the presence Sri S Venkataramana, GM, Smt R Anuradha, GM, Sri B Parshwanath, DGM and Smt Bhavani Mannan, AGM. All the staff members of the CO and branches actively participated in the campaign.



Circle Office Bengaluru organised a Mega Retail Expo on 20.09.2021 at Jayanagar 4th T Block. Sri Debananda Sahoo, CGM, Sri R P Jaiswal, GM, Smt R Anuradha, GM, Sri B Parswanath, DGM and Smt Bhavani Mannan, AGM attended the expo along with renowned builders, vehicle dealers and customers. 545 sanctions letters amounting

to ₹158.78 crore were handed over to customers at the camp. Top performing ROs, RAHs, Branches and Marketing officials, during Campaign period, were awarded.



## BHUBANESWAR

Sri Debashish Mukherjee, ED on his visit to Bhubaneswar CO on 23.08.2021 attended the Parliamentary Committee Meeting on "Papers laid on the Table, Rajyasabha" held at Bhubaneswar. The meeting was also attended by Sri S K Majumdar, GM, HO, top Officials of Union bank of India, Indian Bank and Odisha Gramya Bank along with the members of the Parliamentary Committee.



Sri Brij Mohan Sharma, ED visited Bhubaneswar Circle Office on 17.09.2021 and reviewed the performance of all ROs, ELBs, VLBs, RAHs, SME Sulabh, MCB and LCB. He gave various awards to top performing ROs and Branches for June 21Quarter. He also attended the Mega Retail Loan Expo and sanction letters were handed over to the beneficiaries of housing, education and vehicle loans under retail loans.



## GUWAHATI

RAH Guwahati, organised a Retail Expo on 18.09.2021. The function was chaired by Sri Ravi Kumar, Sri Kunal Kishore and Sri Malay Neerav DMs. More than 65 potential customers along with branch heads attended the expo. 31 loan accounts amounting to ₹5.55 crore were sanctioned and 28 leads amounting to ₹9.1 crore were generated at the expo.



Sri L V Prabhakar, MD & CEO visited Guwahati Circle Office on 23.09.2021. Sri Shaik Nazeer Ahmed, GM welcomed him. MD & CEO interacted with RO Heads, RO



& Circle Executives, RAH & MSME Sulabh Heads, Executives of ELB, VLB, MCB, LCB stationed at Guwahati City and Circle Staff. He highlighted Canara Bank's achievements and his vision of making Canara Bank as the best one "to bank with" and "to work in".

## HUBBALI

Sri Brij Mohan Sharma, ED visited Hubballi Circle Office on 13.08.2021 and was welcomed by Sri G S Ravisudhakar, GM. The Executive Director reviewed the performance of 9 Regional Offices under Hubballi Circle. A special Retail Loan Mela was also organised wherein a total of 174 Housing Loans amounting to ₹40.34 Cr and 123 Vehicle Loans amounting to ₹12.47 Cr were sanctioned. The branches also opened 328 Current Accounts amounting to ₹67.12 Lakh.



Bellary, RO organised an MSME Meet at Hosapete on 04.09.2021. Sri G S Ravisudhakar, GM, addressed the gathering. Sri D C Mohan Kumar, AGM, Sri B Venkatramulu, DM, and Branch Heads of local and



nearby Ballari branches attended the programme. On this occasion, 25 sanctions were handed over to the MSME borrowers of local and nearby branches of Ballari and leads amounting to ₹4075 lakhs were generated.

## HYDERABAD

Sri K Satyanarayana Raju, ED along with Sri Bhavendra Kumar, CGM, Gold loan Wing, visited Hyderabad Circle on 13.08.2021. Sri K H Patnaik GM along with all Circle and RO executives were present on the occasion. During the visit, ED reviewed the performance of ROs, LCB, MCB, and MSME Sulab, local RAH and selected branches including Gold Plazas of Hyderabad circle.



Sri L V Prabhakar, MD&CEO visited Hyderabad Circle on 03.09.2021 and interacted with Scale-IV and above executives of Circle/ROs and Branches of Hyderabad Circle. Sri K H Patnaik, Sri S Ramasubramanian, Sri Nair Ajit Krishnan, CGMs, Sri Atul Kumar, Sri M John Emmanuel, Sri H Sheshagiridas, Sri Chandra Sekhara, GMs, executives from CO, ROs and Branches were present on this occasion. MD & CEO in his key note address advised the staff members to work for Inclusive Growth, Development and Recovery.



## MADURAI

MSME Camps were conducted in all the Regions of the Madurai CO at Various Centres on 08.09.2021 by involving the Regional Offices and MSME Sulabhs. The Camps evoked good response from the businessmen, traders, Industry representatives and general public. A total of around ₹66 crore worth proposals were sanctioned and leads generated amounted to ₹217 Crore.



Sri K Satyanarayana Raju, ED on his visit to Madurai, CO, inaugurated the new premises of Othakadai Branch on 17.08.2021. Distribution of Canara Vidyajyothi Scholarships, Distribution of utility items to Old Age Home and planting of sapling were also done on the same day. He also reviewed the performance of RAHs, MSME SULABHs, MCB, LCB, ROS and ELBs/VLBS on 17.08.2021 & 18.08.2021. Smt. K A Sindhu, GM and Sri D Surendran, GM were also present.



## MANGALURU

Sri Brij Mohan Sharma, ED, on his visit to Circle Office, Mangaluru on 17.08.21 and 19.08.21. was welcomed by

Sri B Yogish Acharya, GM. Executive Director inaugurated the renovated premises of RAH I and RAH II, Mangaluru. A Mega Retail Utsav was also organised during his visit.



CO Mangaluru organised an MSME Credit Camp on 04.09.2021. Each RO conducted MSME meet at their premises with coordination by MSME SULABH and cluster wise MSME camps were held at branches. Mega credit camp was conducted at circle office premises. Sri B Yogish Acharya, GM, Sri Sreekanth V K, DGM, Sri Vivekananda G, Deputy Director MSME, Smt Suchithra, DGM entrepreneurs and beneficiaries attended the function. Total 152 sanctions letters amounting ₹34.06 crore were handed over to the customers and leads generated in all regions amounted to ₹109.79 crore.



## MANIPAL

Business Review meet of the branches under RO, Shivamogga was conducted on 07.08.2021. Sri Rama Naik, GM, Circle Head, and Sri Sandeep Rao P, DGM reviewed the performance. Smt Pournima N Rao, AGM also participated in the review meet. Sri Jayaram S Nayak, DM made a presentation on FX4U. CHOICE Road show was also conducted after the branch review meet. Top performing branches were rewarded during the meet.



Canara Vidyajyothi Scholarships were distributed to 75 meritorious SC/ST Girl students under CSR initiative at a function organised by RO, Shivamogga on 17.08.2021. Sri Sandeep Rao P, DGM and the Chief Guest Sri B Y Raghavendra, Hon'ble MP handed over the scholarships.



## VIJAYAWADA

Sri K Satyanarayana Raju, ED visited Vijayawada Circle on 01.09.2021. Smt K Kalyani, GM, along with other Executives, welcomed ED to the Review Meeting. He also inaugurated the renovated premises of Akividu branch of Rajhundry RO along with Smt Kalyani GM. Sri Manthena Rama Raju, MLA, Undi (West Godavari) constituency and Sri Y Shankar, AGM also attended the function.



# प्रधान कार्यालय में 75वें स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन 75<sup>th</sup> Independence day Celebration at Head Office



# कारोबार आयोजना बैठक - बेंगलूरु Business Strategy Meet - Bengaluru



# प्रधान कार्यालय में हिंदी दिवस समारोह आयोजन Hindi Day Celebration at Head Office



## अहमदाबाद

दिनांक 15 अगस्त, 2021 को स्वतंत्रता दिवस के 75वें वर्ष पर अंचल कार्यालय, अहमदाबाद में स्वतंत्रता दिवस का आयोजन किया गया। ध्वजारोहण श्री प्रणय रंजन देव, महा प्रबंधक, अंचल कार्यालय, अहमदाबाद ने किया। कार्यक्रम में अंचल कार्यालय के उप महा प्रबंधक श्री धरम बीर एवं स्थानीय क्षेत्रीय कार्यालयों के सहायक महा प्रबंधक श्री श्याम कुमार शरण व श्री संतोष थॉमस ने भी उपस्थित जनों को संबोधित किया।



## जयपुर

दिनांक 11 अगस्त 2021 को अंचल कार्यालय, जयपुर के नए एनेक्सी परिसर का उद्घाटन श्री आर.पी. जायसवाल, महा प्रबंधक, विपणन और सरकारी संबंध विभाग, प्रधान कार्यालय द्वारा किया गया। इस अवसर पर श्री पुरुषोत्तम चंद, महा प्रबंधक, अंचल कार्यालय, जयपुर ने अंचल के कर्मचारियों को संबोधित किया। उद्घाटन के अवसर पर अन्य कार्यपालक व कर्मचारी भी उपस्थित थे।



## चंडीगढ़

सुश्री ए. मणिमेखलै, कार्यपालक निदेशक ने श्री आर.के. सिंह, महा प्रबंधक, एमएसएमई विभाग, बेंगलूरु के साथ दिनांक 24.08.2021 को लेह, लद्दाख में आयोजित संसदीय समिति की बैठक में हिस्सा लिया। इस अवसर पर सुश्री ए. मणिमेखलै, कार्यपालक निदेशक ने श्री आर.के. सिंह, म.प्र. एमएसएमई विभाग, प्र का और श्री बी.पी. जाटव, अंचल प्रमुख, चंडीगढ़ के साथ इंजीनियर, नवाचारी और शिक्षा सुधारक श्री सोनम वांगचुक, जो कि 'दि हिमालयन इंस्टिट्यूट ऑफ आल्टरनेटिव्स' के संस्थापक सदस्य भी हैं, के साथ मुलाकात की और कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत उन्हें इंसुलेटिंग ईटों की खरीद के लिए ₹.2.5 लाख का चेक प्रदान किया।



## लखनऊ

दिनांक 15.09.2021 को श्री के. सत्यनारायण राजू, कार्यपालक निदेशक ने लखनऊ अंचल कार्यालय में वीएलबी, एलसीबी, एमसीबी, आरएच, एसएमई सुलभ और एआरएम शाखाओं की कारोबार समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की और सभा को संबोधित किया। इस अवसर पर श्री भवेन्द्र कुमार, मुख्य महा





प्रबंधक, स्वर्ण ऋण विभाग, प्रधान कार्यालय और श्री शम्भू लाल, महा प्रबंधक और अंचल प्रमुख, लखनऊ शामिल रहे। इस अवसर पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले क्षेत्रीय कार्यालयों, शाखाओं और आरएएच को सम्मानित भी किया गया।

### मुंबई

श्री एल.वी. प्रभाकर, प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने दिनांक 26.08.2021 को मुंबई अंचल कार्यालय का दौरा किया। इस अवसर पर उन्होंने एलसीबी, क्षेका, ईएलबी/वीएलबी, आरएएच, एसएमई सुलभ और मुंबई अंचल के अन्य कार्यपालकों के साथ चर्चा की और साथ ही उनके कार्यालयों की समीक्षा भी की। प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने अपने संबोधन में कर्मचारियों को कारोबार के प्रत्येक आयाम में वृद्धि करने के साथ उनके व्यक्तित्व विकास में भी अभिवृद्धि करने हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर प्र.नि. व मु.का.अ. ने उच्च मूल्य के कॉर्पोरेट ग्राहकों के साथ चर्चा भी की। मुंबई अंचल कार्यालय द्वारा एक 'मेगा केन अदालत' का भी आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता श्री नायर अजीत कृष्णन, मुख्य महा प्रबंधक, दबावग्रस्त आस्ति प्रबंधन विभाग, प्र का ने की। इस अवसर पर श्री बी. चंद्रशेखर, महा प्रबंधक, वसूली विधि व धोखाधड़ी निवारण विभाग(आरएल व एफपी), प्र का और श्री लखबीर सिंह, महा प्रबंधक, अंचल कार्यालय, मुंबई उपस्थित थे।



### पटना

दिनांक 07.08.2021 को क्षेत्रीय कार्यालय, मुज़फ्फरपुर द्वारा जून 2021 तिमाही के लिए शाखा प्रमुखों की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। श्री श्रीकांत एम. भंडिवाड, महा प्रबंधक एवं अंचल प्रमुख, पटना अंचल ने इस अवसर पर शाखाओं की समीक्षा की। इस अवसर पर अंचल कार्यालय के अन्य कार्यपालक व उच्च अधिकारी भी उपस्थित थे।



### आगरा

दिनांक 14.09.2021 को अंचल कार्यालय, आगरा में व्यापार कार्यनीति बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अंचल के पर्यवेक्षी कार्यपालक निदेशक श्री के. सत्यनारायण राजू और पर्यवेक्षी मुख्य महा प्रबंधक श्री भवेन्द्र कुमार, स्वर्ण ऋण विभाग, प्रधान कार्यालय ने 9 क्षेत्रीय कार्यालयों, 10 आरएएच, 38 ईएलबी/ वीएलबी, इकाइयों यथा 1 एमसीबी, 3 एसएमई सुलभ, 3 एसीसी, 5 स्वर्ण ऋण प्लाज़ा की समीक्षा की। उन्होंने क्षेत्र का और शाखा प्रमुखों से बात करते हुए उनको अभिप्रेरणा प्रदान की और शीर्ष प्रबंधन के संदेश को उनके साथ साझा किया। इस अवसर पर श्री वासुदेव शर्मा, अंचल प्रमुख, आगरा भी उपस्थित थे।



### करनाल

अंचल कार्यालय, करनाल के वित्त वर्ष 2021-22 की पहली तिमाही की कारोबार समीक्षा बैठक दिनांक 02 अगस्त 2021 को सुश्री ए. मणिमेखलै, कार्यपालक निदेशक की अध्यक्षता में हुई। सभी छः क्षेत्रीय कार्यालयों, ईएलबी, वीएलबी और एआरएम शाखाओं की समीक्षा कार्यपालक निदेशक महोदय ने किया। उन्होंने अपने संबोधन में बैठक में उपस्थित सभी

अधिकारियों को कॉरपोरेट लक्ष्यों के बारे में बताया और कहा कि हमारा प्रयास बैंक को देश का तीसरा सबसे बड़ा बैंक बनाने की दिशा में होना चाहिए। इस अवसर पर श्रीमती सी.एस. विजयलक्ष्मी, अंचल प्रमुख, करनाल व अन्य कार्यपालक व शाखा प्रबंधक उपस्थित थे।



अंचल कार्यालय, करनाल ने भारतीय महिला हॉकी टीम के साहसिक प्रदर्शन के लिए टीम के सभी सदस्यों को सम्मानित किया। इस अवसर पर श्रीमती सी.एस. विजयलक्ष्मी, अंचल प्रमुख, करनाल व अं का, करनाल के अन्य कार्यपालक व अधिकारी उपस्थित थे।



टोक्यो ओलंपिक्स 2020 में जेवलिन थ्रो के स्वर्ण पदक विजेता श्री नीरज चोपड़ा को श्रीमती सी एस विजयलक्ष्मी,



महा प्रबंधक एवं अंचल प्रमुख द्वारा सम्मानित किया गया।

## पुणे

अंचल कार्यालय, पुणे में दिनांक 15.08.2021 को राष्ट्र के 75वें स्वतंत्रता दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अंचल प्रमुख व महा प्रबंधक श्री सुबोध कुमार ने राष्ट्रध्वज फहराकर उपस्थित कार्यपालकों एवं स्टाफ सदस्यों को संबोधित किया। इस अवसर पर अंचल कार्यालय, स्थानीय क्षेत्रीय कार्यालयों एवं शाखाओं के स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।



## भोपाल

दिनांक 21.08.2021 को श्री एल.वी. प्रभाकर, प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने आभासी रूप से अंचल कार्यालय, भोपाल के नए परिसर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर प्रधान कार्यालय के सभी कार्यपालक निदेशक, मुख्य महा प्रबंधक, महा प्रबंधक और अन्य कार्यपालक वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से जुड़े थे।



## Better articulation through reading



**Teena**  
Asst. Manager  
RO Pune II

Once a disciple asked the master, “I read so many books, but don't seem to retain most of what I read. What then, is the purpose of reading?”

Instead of answering, the master asked him to fetch water in a dirty basket made of straw, from a nearby stream.

The obedient disciple took the dirty basket and filled it with water from the stream. But by the time he brought it back, the water had drained. The master asked him to do it again and again. But every time, the outcome was same.

Frustrated, he asked his master, “What is the use of fetching water when the basket remains empty?”

The master calmly replied, “Empty and clean. The basket is your mind, and the books represent the water you fetched. You may not retain all that you read, but reading transforms your mind, removes misconceptions, and provides clarity of thought.”

This story circulating on the internet in many forms, beautifully articulates the purpose of reading. But beyond the metaphysical explanation provided by the master, reading has several worldly benefits. This article discusses them under two heads: personal and professional.

### PERSONAL BENEFITS OF READING

The personal benefits of reading range from physiological to psychological, from emotional to relational, and from material to spiritual.

Reading is known to be an effective exercise for the brain. Research establishes that people who keep themselves engaged in mentally stimulating activities such as reading are less likely to be exposed to the risks of



dementia and Alzheimer's disease in the twilight of life. Further, reading can act as a balm for the battered mind. It is an antidote to stress and helps one relax.

Beyond the immediate and long-term health benefits, reading is known to enhance one's empathy. Reading stories from varied historical, cultural, and geographical contexts makes it easier to understand peoples' situations and relate with them. Be it the Nazi repression (read *The Diary of a Young Girl* by Anne Frank), the horrors of India's partition (read *Toba Tek Singh* by Saadat Hasan Manto) or the practice of untouchability (read

Untouchable by Mulk Raj Anand); the reader cannot help but relate with Anne, Bishan, and Bakha, the respective protagonists.

Reading transforms one's being, leading to both material and spiritual progress. When one reads regularly, knowledge increases, vocabulary expands, writing improves and concentration deepens. While these accretions are likely to put one at advantage in this world, I believe reading helps one grow spiritually as well. Reading engenders one with humility and wisdom, essential prerequisites for being bestowed with divine grace. Reading therefore helps here and hereafter.



### PROFESSIONAL BENEFITS OF READING

Though their respective fields are investing, politics, business, and engineering; what is common across Warren Buffett, Shashi Tharoor, Bill Gates, and E. Sreedharan? Reading. Beyond the multifarious personal benefits discussed above, reading also helps professionally. In this part of the article, I seek to elucidate the same with examples from the context of banking.

Reading improves our ability to communicate better with people from varied walks of life. This helps us connect with potential customers and convert leads into business. From small talk to lasting relationships, a banker who reads is likely to source business, engage better, as well as cross-sell. Reading generates awareness. Awareness opens possibilities of business. For example, in today's low interest rate regime, a well-read banker could encourage hesitant customers to invest in mutual funds slowly and systematically. Not only

this can help the customers reap better returns through guided participation in equity, but it also enhances the fee-based income for the Bank.

Beyond direct business development, reading ensures better customer service. How, you wonder? Let me cite a case in point. A death claim was received for sanctioning at some Regional Office (RO). Dealing official at RO discovered that the account opening form of the deceased customer contained nomination. Therefore, this claim could have been promptly settled at the Branch itself. However, the branch assumed that since the amount involved was substantial, it better be settled after RO sanction! Assumption over awareness! If only the Branch had read the relevant guidelines, the claim could have been promptly settled. Such avoidable delays can often cause incalculable loss of potential business.

Reading can protect the diligent banker from risks involved in banking. Attempts are often made to whitewash balance sheets, income tax returns, stock statements, and the like, to defraud the Bank. For instance, a person with no documented regular repayment capacity, sought a hefty term loan from one of the branches by showing income tax return with a windfall capital gain. Further, unscrupulous individuals from within our ranks can also try to subvert due process for their own personal gains. One can protect the interests of the Bank by staying true to the letter and spirit of extant manuals and guidelines, but only if one has read them!



If you're an avid reader, I am sure you'll vouch for the case made herein. If you're not, I sincerely hope that your reading journey starts right here.

\*\*\*\*\*

## DIGITALISATION OF INDIAN JUDICIAL SYSTEM

**Renjith Chandran R**  
Deputy General Manager  
RL&FP Wing, Head Office



The origin of the efforts to digitalise the Judicial framework in India and to make the Courts paper less can be traced back to early 2000's wherein the then Hon'ble Chief Justice of India had made a proposal to the Central Government for constitution of an E-Committee for the formulation of National Policy on computerization of Indian Judiciary. Consequently, the Government had notified the E-Committee under the Chairmanship of Dr. Justice (Retd.) G.C. Bharuka, a former Judge of the High Court of Karnataka, along with three other specialist members. The E-Committee was vested with the mandate to formulate a National Policy on computerization of justice delivery system and to draw up an action plan with appropriate phasing for time bound implementation.

The information Technology Act, 2000 (IT Act) was a legislation which was well ahead of its time. The IT Act envisioned use of electronic records, e-signature, e-commerce, e-contract, etc. on a regular basis and provided for legal framework for the use of same. The IT Act introduced the concept of "electronic records" and provided for taking in evidence and mode of proving of electronic records by amending the Indian Evidence Act and Indian Penal Code. The IT Act also inserted Section 65A and 65B into the ambit of the Indian Evidence Act, giving a legal validation for electronic evidence. The definition of "Evidence" in the Indian Evidence Act was also amended by the IT Act to include electronic records. Further, other related sections were suitably modified so as to include electronic records, e-signature, opinion of the examiner of electronic records, etc. as evidence in the Indian Evidence Act.

The Hon'ble Supreme Court has always been proactive in this aspect and in one of its Judgments passed in 2003, the Court had given a broad interpretation to the term "presence of the accused" under the provisions of Criminal Procedure Code (Cr.P.C), it permitted the recording of

evidence of witnesses staying abroad through video conferencing and also held that their cross examination can also be conducted online. Following the footsteps of this Judgment,<sup>1</sup> amendments were also brought in the Code of Criminal Procedure in the year 2009 which provided for the examination of Witnesses, recording of statements and production of the accused before the Court through audio-video electronic means.

It is in this backdrop, the e-Courts Project was conceptualized under the "National Policy and Action Plan for Implementation of Information and Communication Technology (ICT) in the Indian Judiciary-2005".

The objectives of the project were

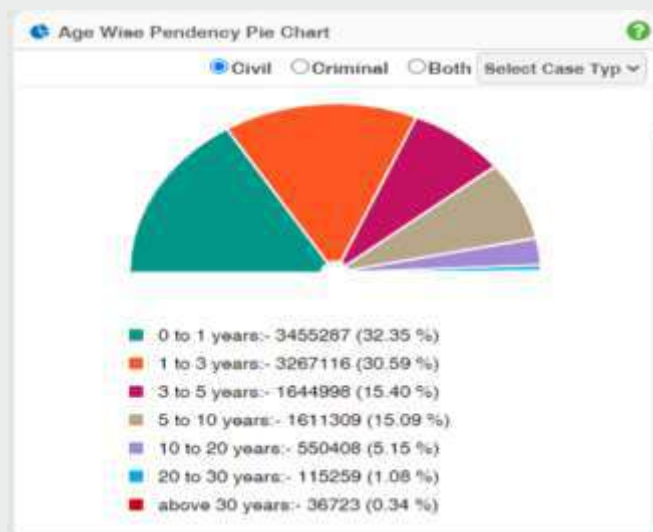
- To provide efficient and time-bound citizen centric services in accordance with the e-Courts Project Litigant's Charter.
- To develop, install and implement efficient justice delivery systems in courts.
- To automate processes easing accessibility of information to its stakeholders.
- To enhance judicial productivity, both qualitatively & quantitatively, making the justice delivery system accessible, cost effective, reliable and transparent.

e-Courts National portal (ecourts.gov.in) was launched on 7th August, 2013 by the then Hon'ble Chief Justice of India. More than 2852 Districts and Taluka Court Complexes have secured their presence on the NJDG (National Judicial Data Grid) portal (ecourts.gov.in) and are providing Case Status, Cause lists online with many of them also uploading orders / judgments. The data of more than 7 crore pending and disposed of cases and 3.3 crore orders / judgments of District Courts in India is available on NJDG at present.<sup>2</sup>

e-Filing system enables electronic filing of legal papers. e-Filing is aimed at promoting paperless filing and saving time and cost by adopting technological solutions to file cases

1. State of Maharashtra Vs Dr. Prafull Desai and Anr (2003)4SCC601; See also Twentieth Century Fox Film Corporation Vs NRI Film Production Associates Ltd AIR 2003 Kant 148

before courts in India. e-Filing is enabled for DRT, NCLT, District Courts, High Courts and Supreme Court. The respective High Courts have issued directions and rules for e-filing for the District Courts under their jurisdiction. The Central Government has notified rules for e-filing in DRTs and DRATs namely The Debts Recovery Tribunals and Debts Recovery Appellate Tribunals Electronic Filing Rules, 2020.



The Age wise Pendency Pie Chart for Cases in District and Taluka Courts in India available on the National Judicial Data Grid.<sup>3</sup>

Some of the benefits of adoption of technology in Indian Judicial System are as under:

1. Access to Real Time data regarding the pending cases in the Indian Court.<sup>4</sup>
2. Empowerment by easy access of Judicial proceedings to general public.
3. Increased transparency of Court Proceedings: The proceedings of the Courts, status of Cases and other relevant information is available to the public through the Courts Website.
4. There will be greater transparency in the Judicial System
5. Benefits for citizens include more optimal scheduling mechanisms, online digital filings, and different mediums of hearings, thereby increasing timely access to courts from anywhere.
6. For lawyers, seamless filings, service of summons remotely, availability of identical digital case files as

the court, better scheduling, digital hearings and e-filings are just some of the benefits.

Following this pattern, the Legislature has recently made further modifications in the key legislations like Consumer Protection Act, 1986 as well as in the RDB Act, 1993, enabling the public to file the complaints/ Applications online and make online payment of Court Fees considerably reducing the complexity of the procedural maze. It also made the judicial remedy more accessible to the common man.

Despite of all the above stated benefits and judicial and legislative initiatives, it had taken 6 long years to digitalise the Judicial records and to make them available meaningfully in the e-Courts Website.

Though it may seem ironic, it was finally the outbreak of Covid-19 Pandemic that forced the Indian Judicial System to wake up from its slumber and embrace the vast opportunities offered by the digital world so as to ensure access to Justice for all during the Lockdown Period.

With the enforcement of National Lockdown in view of the Pandemic the Indian Judiciary too was constrained to minimise the in-person interaction between the litigants, lawyers and the Judges/Court staff so as to prevent further spread of Covid-19. This forced the Judicial systems to adopt e-filing systems, online fee payment facilities and even to the extent of virtual courts in a very short span of time. The litigants and Advocates were facilitated to attend the courts through Video Conferencing and Courts were passing the Orders virtually. It is quite encouraging and fortunate to see that this digitalisation drive did not lose its steam with the subsiding of the Pandemic. The Judiciary has formed concrete frameworks for this virtual courts and e filing and has issued necessary guidelines in this regard. Many of the Higher Judicial forums including the Supreme Court, High Courts, NCLAT etc have adopted a Hybrid hearing mode wherein the Cases are being heard both physically as well as in the digital manner simultaneously. This drive has also given a new lease of life to the concept of live streaming the court proceedings through online platforms to the general public which can be considered as an epitome of democratic values and inclusive access to justice if once put to effect.

\*\*\*\*\*

2 [https://services.ecourts.gov.in/ecourtindia\\_v6/static/about-us.php](https://services.ecourts.gov.in/ecourtindia_v6/static/about-us.php)

3 <https://njdg.ecourts.gov.in/njdgnew/?p=main/index>

4 The same can be accessed through the National Judicial Data Grid <https://njdg.ecourts.gov.in/njdgnew/?p=main/index>

# Read to expand your knowledge and wisdom



**Rochak Dixit**  
Asst. Manager  
RO, Meerut

What do you do while travelling? Whether in a bus, train or a cab, to a vacation or to office, how do you spend those valuable minutes? You can spend them in watching a movie, scrolling your social media page, or just sleeping. But there's surely another option that will help you add value to your life by getting rid of that boredom. Reading!

Books are known to be the best friend of a person for a reason. Reading has a plethora of advantages. The habit of reading broadens our horizon and helps us to become a better person in life. It also helps in developing a fresh viewpoint of life. Not just books, reading in any form is beautiful. The more we read, the more we fall in love with reading. At the end of a hectic and stressful day, all we need is a good book to help us rejuvenate and momentarily escape from the realities of life. Books are very influential as it serves as an excellent motivation for an individual to do better in life. The interest in reading, like any other habit, comes with time. Once a person starts reading, it becomes a habit, and he/she starts to explore a whole new world. Reading is one of the best qualities that a person can possess. The habit of reading helps us in getting good knowledge of the world. So, no matter how busy one gets, one should not forget to make time for books. With the advent of television, and subsequently with the arrival of various kinds of social media, books have been suddenly pushed to the background. It is advised to have a friendship with books as they are always with us and help us whenever we need them. Reading books, newspapers, etc. on daily basis is indeed a good habit. We should inculcate this habit in ourselves.

Benefits of reading are countless; a few significant ones are listed below:

## 1. Builds knowledge

This is well known. Reading gives you new information

every time. Not just factual knowledge, reading also helps to know about different people, various philosophies, etc. In a long run, you're better equipped for anything you'll face in life.

## 2. Vocabulary Augmentation

If you didn't know that augmentation is a synonym for expansion, you just learnt a new word! Yes, It's that simple. The more you read, the more your vocabulary improves and the better you can express your own thoughts and feelings. Rich vocabulary and better command over language improves communication by default.

## 3. Enhances imagination

When you read something, your brain builds a picture for it and form opinions. It makes you fantasize and boosts your imagination. Scientifically proven, it makes a person creative and improves analytical skills.

## 4. Strengthens Brain and memory

Reading involves a complex network of circuits and signals in the brain. As your reading ability matures, those networks also get stronger and more sophisticated. It keeps the memorizing ability of brain in practice.

## 5. Entertainment

Journeys for long hours or a long vacation from work can be boring sometimes. Books come in handy and release you from boredom. It's gives a great time at a nominal or no cost. In addition to a long list of benefits, if something is entertaining as well, isn't that lucky?

Other benefits include better ability to empathize, stress reduction, improved focus and concentration, better sleep, increased attention span and an overall improvement in listening and writing skills. It makes

people more attentive towards everything around. A book is a gift that can be opened again and again.

### But what to read?

Consider you walk into a restaurant to eat something. When you read through the menu, there are a lot of options. Would you eat all of it together? No. Would you eat the same thing every day? Not necessarily. Do you need to eat something every day? YES. It's astonishing that we can choose from a wide variety of flavors, colors, aromas and textures every time we begin. Reading is covalent to this. One should read something, anything, every day. It's food for your mind. You may begin your day with a newspaper, or pick up a novel of your favorite genre, or just go for short stories of various kinds. Reading biographies of people that influence you is a great way to walk their way. There are people who regularly read before they go to sleep. It helps them sleep better, feel better and of course, dream better. In the digital era, reading is even simpler and handy with infinite number of blogs and e-books all around the internet. Although, reading printed matter is still the first choice for a good percentage of readers throughout the world, reading it on-screen is also effective to impart the benefits listed above. Just be a little careful as reading on the web often carries you away to a topic you were never looking for. It's believed to be hard, staying focused too long on the web. Although, audio books can be a great alternative.

In a world full of content and people writing with different perceptions, choosing what you read can make a difference. Reading for enhancing yourself in your professional life is always helpful. But reading something out of interest is equally beneficial. Someone interested in history or literature can find unlimited quality content which is not just restricted to libraries today but can be accessed from mobile devices too. There's a reading genre for every literate person on the planet, and whether your tastes lie in classical literature, poetry, fashion magazines, biographies, religious texts, young adult books, self-help guides, street lit, or romance novels, there's something out there to capture your curiosity and imagination.

Being aware about the world has its own good. At the end, we are all human beings. If all of us learn something from each other, this world will definitely become a

better place. It's very possible for people who are not sure of their goal in life, to find their interest while reading something. Goal need not be confused with a career option, it a much broader aspect. You might explore a better way of living life, find out what you want to achieve or how you want to mould yourself. Who know you come across a story today that mesmerizes you hard and changes you completely? It's just about an idea that is waiting to hit your brain! You might find a solution to your own problems. Or in other case, reading a piece can give you an opportunity to retrospect yourself. Other than fiction and fashion, there are books written particularly to solve real-life problems too. Improving financials, learning a new skill or understanding how to read a book, we have book for everything, thanks to all those passionate writers!

If you're not reading regularly, you're surely missing out something. Cognitive growth getting paused is one of the biggest disadvantages. Reading books stimulates our ability to comprehend and to develop critical thinking skills which are essential for cognitive development. The more you read books, the more you will develop knowledge, the more your thinking process will improve. It will stop immediately when you stop reading. It limits your knowledge expansion. Researchers have found that reading every day can delay cognitive decline during our later years, keeping our brains younger, healthier, and functioning higher well into our golden years. And people who read on a regular basis have more complex brains than those who don't. Plus, it shouldn't be taken as a burden. It gives great pleasure and is a fantastic way for spending some leisure time with yourself in this busy world. When you absorb reading as a habit, it absorbs you back. It slowly becomes a part of your routine, and the reader gradually feels captivated by the beauty of it.

Are you confused when should you start? Then there is no better day than Today! Reading has no boundaries of age, language or choices. There are a lot of options for everyone. You can always find something for any mood. Even in this digital age where any information in any form is just a click away, reading has its own charm. Reading opens a whole new world in front of us. So, let's give wings to our imagination, lift our spirit and indulge in enriching ourselves with an abundance of knowledge.

Happy reading!

\*\*\*\*\*



# Trend of Capital Expenditure in India

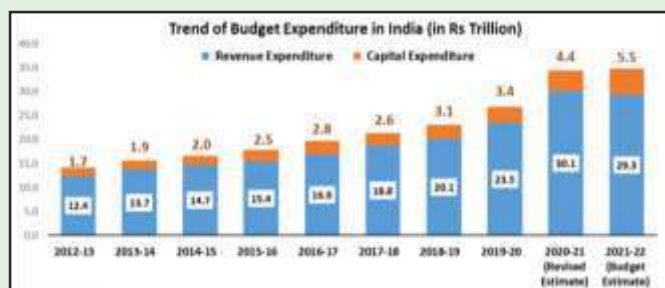

**Dr Rashmi Tripathi**

 DGM  
 Economist, SP&D Wing  
 HO, Bengaluru

## Significance of Capital Expenditure

Capital expenditure by the Government is an effective policy instrument to ensure durable growth in the economy. It leads to productive asset creation for the long term, especially infrastructure and has a positive multiplier effect on the economy by employment generation, expansion of ancillary industries, raising purchasing power and boosting labour productivity. Whereas revenue expenditure of the Government includes expenditure on salaries, pensions, subsidies, grants & interest payments on debts, which are regularly incurred, recurring in nature and do not result in creation of assets.

The role of capital expenditure has become critical to revive the growth momentum in the current scenario of subdued private investment and aggregate demand. Accordingly, the budgetary allocation for capital expenditure for FY 2021-22 has been increased by 26.2% y-o-y to ₹5.54 trillion, as shown below.



Financial Year	A. Revenue Expenditure (in ₹ Trillion)	B. Capital Expenditure (in ₹ Trillion)	C. Total Expenditure (A+B) (in ₹ Trillion)	% of Revenue Expenditure to Total Expenditure (in %)	% of Capital Expenditure to Total Expenditure (in %)
2012-13	12.4	1.7	14.1	88.2%	11.8%
2013-14	13.7	1.9	15.6	88.0%	12.0%
2014-15	14.7	2.0	16.7	88.2%	11.8%
2015-16	15.4	2.5	17.9	85.9%	14.1%
2016-17	16.9	2.8	19.7	85.6%	14.4%
2017-18	18.8	2.6	21.4	87.7%	12.3%
2018-19	20.1	3.1	23.2	86.7%	13.3%
2019-20	23.5	3.4	26.9	87.5%	12.5%
2020-21 (Revised Estimate)	30.1	4.4	34.5	87.3%	12.7%
2021-22 (Budget Estimate)	29.3	5.5	34.8	84.1%	15.9%

Source: RBI Database & Union Budget 2021-22 document

However, the actual share of capital expenditure to total expenditure has declined to 12.7% in FY2020-21, as compared to 14% levels observed in FY2015-16 and FY2016-17. This is despite FY2020-21 being a pandemic impacted year and the claims of greater focus on capital expenditure to revive the economy. The budget estimate for current financial year however, shows a relatively higher proportion of capital expenditure to total expenditure at 15.9%.

## Potential for Multiplier Impact of Capital Expenditure on Indian Economy

Various research papers show that capital expenditure has a higher multiplier effect on the economy as compared to other categories of public expenditure, with potential for employment generation and forward and backward linkages. According to an analysis on 'Fiscal Multiplier for India' by National Institute of Public Finance and Policy (NIPFP), the capital expenditure multiplier is around 2.45, while the revenue expenditure multiplier is 0.99. This means for a ₹ 1 crore increase in capital expenditure by the Government, GDP increases by ₹ 2.45 crores, whereas if there is a ₹ 1 crore increase in revenue expenditure, the GDP increases only by ₹ 0.99 crore. Thus, the proportion of capital expenditure to total expenditure is indicative of the efficacy of the fiscal policy to revive and boost aggregate demand in the economy.

As can be observed from the table above, the proportion of actual capital expenditure to total expenditure in India has remained below 15% level over the last 10 years due to more importance given on revenue expenditure, which has only short term impact on demand. This is responsible for less than expected reaping of the high multiplier impact of capital expenditure in India.

## Trend of Actual Capital Expenditure (Month wise)

The month on month trend of capital expenditure shows that during Apr-Jul 2021, the actual capital expenditure

spent is ₹111849 Cr which is 23.17% of the Budget estimate, as compared to 25.47% in the same period in the previous financial year. The actual capital expenditure in Jul'21 is at ₹16932 cr, which is 28% lower than that of Jul'20 level of ₹ 23576 cr.

This indicates a cautious approach of the Government, likely due to the continued revenue concerns amid slow economic recovery and downside risks to new variants of the pandemic virus. According to analysts, further acceleration in capital expenditure pace can be expected in the coming quarters with normalization of economic activities.

### Major Focus Areas for Capital Expenditure in Union Budget 2021-22

The following table lists out the 12 major components of budgeted capital expenditure, constituting about 88% of total capital expenditure in FY2021-22.

Major Components of Capital Expenditure (in ₹ Crore)					
		FY2019-20 (Actual)	FY2020-21 (Revised Estimate)	FY2021-22 (Budget Estimate)	As % of Total BE in FY22*
1	Defence Services	111092	134510	135060	24.4%
2	Indian Railways	67841	29000	107100	19%
3	Roads and Bridges	70713	86867	100870	18%
4	General Economic Services	10460	28762	77452	14%
5	Communications Services	5220	4431	25973	5%
6	Special Areas Programmes (North East Areas)	579	9482	12080	2%
7	Science Technology and Environment	9221	5934	10505	2%
8	Industry & Mineral	6266	4844	7440	1%
9	Agriculture and allied activities	3294	2326	5883	1%
10	Urban Development	3713	1720	3484	1%
11	Medical and Public Health	1640	4166	2434	0.4%
12	Housing	962	1181	1344	0.2%

Note: \* As percentage of total capital expenditure (Budget Estimate) for FY22 of ₹ 554235 crores  
Source: Union Budget Document 2021-22

It can be observed that major thrust for capital expenditure is on infrastructure development in railways and roads & bridges, apart from defense services. The outlay on capital expenditure of communication services is also significantly increased from ₹ 4431 cr in FY2020-21 to ₹ 25973 cr in FY2021-22. However, budget outlay of capital expenditure on Medical & Public Health has been reduced to ₹ 2434 cr in FY2021-22 from ₹ 4166 cr in FY2020-21.

### Our Take.....

There is a need to improve the proportion of Capital expenditure in total expenditure to improve the efficacy of the fiscal policy measures for long term and sustainable economic growth. Also, at this juncture, when the economy is recovering from the impact of an unprecedented pandemic, focus of capital expenditure should continue to be on welfare enhancing areas like physical and social infrastructure including human capital and science & technology.

Going forward, it is expected that economic growth will gain momentum by the capital expenditure on infrastructure projects along with normalization of economic activities and vaccination to the broader population. Further, as existing capacities get utilized and new capacities are added, it would lead to revival of private sector capital expenditure cycle.

*Views/opinions expressed in this research publication are views of the research team and not necessarily that of Canara Bank or its subsidiaries. The publication is based on information & data from different sources. The Bank or the research team assumes no liability if any person or entity relies on views, opinion or facts and figures finding in this project.*

\*\*\*\*\*



**“ The ultimate resource in economic development is people. It is people, not capital or raw materials that develop an economy.”**

– Peter Drucker

## आसमां में सुराख



### बी के उप्रेती

वरिष्ठ प्रबंधक (सेवानिवृत्त)  
केनरा बैंक

### प्रस्तावना :

यह कहानी एक निम्न वर्ग के इंसान की है जो हमारे धर्म ग्रंथ तथा महा पुरुषों की जीवनी और अनुभवों से सीख लेकर निरंतर अनवरत कोशिश और प्रयासों से कामयाबी की तरफ बढ़ रहा है...!

मैंने अभी शाखा में प्रवेश ही किया था कि वरिष्ठ प्रबंधक जी का फोन आया और बोले कि जल्दी से केबिन में आओ – आपसे कुछ बात करनी है। मैं उनके केबिन में गया तो देखा कि वह चिंतित दिखाई दे रहे थे। मैंने बुलाने का कारण पूछा तो कहने लगे – ‘एक तो शाखा में वैसे ही स्टाफ की कमी है और यदि हम मानव संसाधन अनुभाग से स्टाफ के लिए अनुरोध करते हैं तो वह सब स्टाफ प्रमोटी क्लर्क हमारी शाखा में भेज देते हैं। हमारी शाखा पोश इलाके में है जहां पर ग्राहक भी बहुत जागरूक और पढ़े-लिखे हैं, ऐसे में हम कैसे शाखा को सुचारू रूप से चला पाएंगे।’ मैंने पूछा- क्या हुआ सर? तो वरिष्ठ प्रबंधक ने बताया – ‘देखो बाहर सोफे पर जो शरब्स बैठा है वह हमारी शाखा में ज्वाइन करने आया है। कल शाम को ही इसके ऑर्डर ई-मेल से आए हैं। मैंने इससे बात की है और उसने बताया है कि उसको शाखा में काम करने का कोई भी अनुभव नहीं है। यह तो डीजीएम साहब का ड्राइवर था और उनकी कार चलाता था। टेस्ट पास किया है और क्लर्क प्रमोट हो गया है। बताओ अब इसको कहां बिठाओगे? पहले से ही एक सब स्टाफ प्रमोटी, कैश की सीट पर बैठा है, अब दूसरी कैश की सीट कहां से इसके लिए पैदा करें। बैंकिंग का ज्ञान नहीं है, कंप्यूटर भी इसे कहां चलाना आता होगा, ऐसे में यह काउंटर पर कैसे काम कर पाएगा।’

मैंने कहा- ‘सर इससे बात करते हैं और फिर फैसला करते हैं

कि इससे क्या काम लिया जा सकता है।’ मैंने उसको केबिन के अन्दर बुलाया और कुर्सी पर बैठने को कहा।

मैं पूछा – क्या नाम है तुम्हारा? जवाब में उसने कहा – ‘सर, मेरा नाम सूरज है।’

मैंने कहा – ‘सूरज, आपको बहुत-बहुत बधाई, अब आप क्लर्क बन गए हो।’

सूरज अपनी सीट से खड़ा हो गया और धन्यवाद कहते-कहते पूरा झुक गया।

मैंने पूछा – ‘कौन-कौन सी शाखा में काम किया है?’

उसने जवाब में कहा – ‘मैं तो डीजीएम साहब का ड्राइवर था और उनकी गाड़ी चलाता था। 10 साल डेली वेजर रहा, 2008 में पक्का हो गया। उसके बाद भी मुझे ड्राइवर का ही काम सौंपा गया। शाखा में काम करने का अनुभव नहीं है। मैंने पूछा, ‘आपकी योग्यता क्या है?’ उसने कहा- ‘सर, 12वीं पास हूं। मां-बाप गरीब थे, इसलिए बचपन में पढ़ाई नहीं कर पाया, यह सब पढ़ाई ड्राइवरी के दौरान ही की है। मैंने पूछा, ‘आप के हाथ में कौन सी किताब है?’ उसने बताया, ‘सर – गांधी जी की आत्मकथा ‘माई एक्सपीरिमेंट विद टूथा’ खाली समय में किताब पढ़ता हूं।’

मैंने फिर पूछा, क्या आपको पढ़ने का शौक है?’ उसने जवाब में कहा – ‘यस सर, यह शौक मुझे ड्राइवरी से मिला है। ड्राइवरी के प्रोफेशन में खाली समय बहुत मिल जाता है। जब साहब की गाड़ी खड़ी होती है तो मैं गाड़ी में ही बैठकर शिक्षाप्रद किताब या किसी महापुरुष की जीवनी पढ़ लेता हूं।’

मैंने सवाल किया, 'आपने अभी तक कौन-कौन सी किताबें पढ़ ली हैं।'

उसने झट से जवाब दिया, 'सर - मुंशी प्रेमचंद का साहित्य, भगवत गीता, तुलसी की रामचरितमानस, भीम राव अम्बेडकर की जीवनी, लियो टॉलस्टॉय की कहानियां, स्वामी विवेकानन्द की जीवनी, वगैरह-वगैरह।'

मैंने पूछा, 'सूरज, यह बताओ कि तुमने मुंशी प्रेमचंद के साहित्य/कहानियों से क्या सीख ली।'

उसने जवाब दिया, 'प्रेमचंद जी कहते हैं कि खाने और सोने का नाम जीवन नहीं है। जीवन नाम है आगे बढ़ते रहने का, लगन का। उन्होंने भारतीय समाज में व्याप्त सामाजिक बुराइयों जैसे - छुआछूत, जाति प्रथा, भ्रष्टाचार और हिन्दू धर्म में व्याप्त पाखंड के प्रति लोगों को जागरूक किया।'

मैंने सवाल किया, 'भगवत गीता से क्या सीख ली।' उसकी ओर से जवाब मिला, 'सर, भगवत गीता तो ज्ञान का सागर है, लेकिन एक श्लोक से मैं बहुत प्रभावित हूँ। अपना कर्म किए जा फल की इच्छा मत करा' **'कर्मण्येवाधिकारस्ते माफलेषु कदाचना'**। 'तुलसीदास की रामचरित मानस का सार यह है कि मनुष्य को भगवान राम की तरह मर्यादित जीवन जीना चाहिए। हमारे जीवन की हर समस्या का समाधान इस ग्रंथ में मिलता है।'

'स्वामी विवेकानंद से क्या सीख ली?' मैंने पूछा। उसने उत्साहपूर्वक जवाब दिया, 'सर स्वामी विवेकानंद ने कहा है - "उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक ध्येय की प्राप्ति न हो"।'

मैंने एक और सवाल किया, 'यह बताओ कि डॉ. भीमराव अम्बेडकर के जीवन से क्या सीखा?' जवाब में उसने कहा, 'सर, बाबा साहेब अम्बेडकर जी तो उन्नीसवीं शताब्दी के महान समाज सुधारक, स्वतंत्रता सेनानी और हमारे देश के संविधान के रचयिता और दलितों के मसीहा हैं। उन्होंने दलितों को संगठित किया और नारा दिया - "शिक्षित बनो

संगठित रहो और अपने अधिकारों के लिए संघर्षरत रहो।" बाबा साहेब ने शिक्षा पर जोर देते हुए कहा था कि शिक्षा वो शेरनी का दूध है जो इसे पिएगा वो शेर की तरह दहाड़ेगा।'

मैंने पूछा - 'कोई और शौक हैं तुम्हारे - बीड़ी / सिगरेट / दारू?'

उसने फटाक से जवाब दिया, 'सर, इन चीजों को आज तक छुआ तक नहीं, बिल्कुल शाकाहारी / टीटोटलर हूँ, गांधी जी की विचारधारा से प्रभावित हूँ और 'सादा जीवन उच्च विचार' के सिद्धांत पर अमल करने की कोशिश करता हूँ।' मैंने पूछा, 'सूरज यह बताओ - क्या एस बी काउंटर में काम कर लोगे, कंप्यूटर चला लोगे ?'

उसने जवाब दिया, 'सर - एक हफ्ते कंप्यूटर की ट्रेनिंग मिली है और उसी दौरान कंप्यूटर में काम किया है। पूरी तरह से काम तो नहीं आता है लेकिन मेहनत और लगन से बहुत जल्दी काम सीखने की कोशिश करूंगा और आपको शिकायत का मौका नहीं दूंगा।' मैंने उसको बाहर बैठने को कहा। मैंने वरिष्ठ प्रबंधक से कहा कि 'सूरज को कैश में नहीं बिठाएंगे। एस बी काउंटर में क्लर्क की ज़रूरत भी है, इसको वहीं ट्राई करते हैं।' वरिष्ठ प्रबंधक बोले - 'आपको सौंप दिया है, जैसा करते हो करो। लेकिन मानव संसाधन अनुभाग को किसी भी सब स्टाफ प्रमोटी को शाखा में पोस्ट करने से पहले सोचना चाहिए कि 15 साल से ड्राइवर की जॉब करने वाला कैसे शाखा में काम कर पाएगा।'

मैं केबिन से बाहर आ गया और शाखा के सभी कर्मचारियों से सूरज का परिचय करवाया और उसके बाद एसबी काउंटर की अधिकारी सरला मैडम से कहा कि 'इसको काम दें।' इतना कहते ही सरला मैडम भड़क गई। मेरे पास आई और बोली - 'छ: महीने से आपसे रिक्वेस्ट कर रही थी कि काउंटर में ज्यादा काम हो गया है और एक एक्सपर्ट क्लर्क मुझे दे दो और अब आपने एक सब स्टाफ प्रमोटी को मेरे सेक्शन में दे कर मेरे साथ बहुत बेइंसाफी और मज़ाक किया है। आप इसे किसी और सेक्शन में दे दो लेकिन मुझे कोई एक्सपर्ट हैंड ही दो। एसबी काउंटर में सबसे ज्यादा काम है, सबसे ज्यादा

कस्टमर मेरे पास आते हैं और यह नौसिखिया क्या काम करेगा। मैं आपको साफ-साफ कह देती हूँ, यदि शाखा का कासा बिजनेस गिरा या ग्राहक की शिकायतें आईं तो मैं इसकी जिम्मेदारी नहीं लूंगी। मैंने सरला जी से कहा – ‘हर इंसान शुरू में नौसिखिया ही होता है और काम करते-करते ही एक्सपर्ट होता है। बिना किसी को जांचे-परखे इस तरह का ओपिनियन मत बनाएं।’

मैंने सूरज को सरला मैडम के पास भेज दिया। कुछ देर तक सरला मैडम ने सूरज की तरफ देखा तक नहीं और अपने काम में लगी रही और गुस्से में बड़बड़ाती भी रहीं। कुछ ही देर में सूरज का सीबीएस में लॉग-इन हो गया और वह एसबी काउंटर में बैठ गया। तभी मैंने सूरज को अपने पास बुलाया और बताया कि ‘सरला मैडम थोड़ा गर्म मिज़ाज की हैं। काम यदि समझ में न आए तो दस बार पूछना और तभी करना। मैंने उसको एक डायरी दी और कहा कि – ‘सीबीएस के जो भी आप्शन मैडम बताएं तो उसको तुरंत नोट कर लेना, ग्राहक से प्यार से बात करना और कुछ ना समझ आए तो मैडम या मुझसे पूछ लेना।’ कुछ ही देर में मैडम ने बहुत सारे ट्रांसफर के चेक सूरज को पोस्टिंग के लिए दे दिये। एक-दो चेक अपने सामने पोस्ट कराए और उसके बाद मेरी तरफ गुस्से से देखा और अपनी सीट पर बैठ गईं। सारे दिन सूरज ने एक ही आप्शन में काम किया और 7 बजे जब मैंने शाखा को ताला लगाया तभी वह भी मेरे साथ अपने घर गया। मैंने उसे समझाया कि, ‘कुछ दिन मेहनत करनी पड़ेगी और धीरे-धीरे वह सब काम सीख जाएगा।’ सूरज बोला, ‘सर मुझे बस आपका आशीर्वाद चाहिए। मुझे अभी काम नहीं आता, लेकिन मैं कामचोर नहीं हूँ। मैं बैंक का वफादार सिपाही हूँ। सर 8 साल तक मैंने डेली वेजर में बैंक की गाड़ी चलाई और आज बैंक ने मुझे पदोन्नति दी है और इस मुकाम तक पहुंचा दिया। आज मेरा सपना पूरा हो गया। जब मैं गाड़ी चलाता था तो कई बार सोचता था कि क्या कभी वो दिन भी आएगा जब मैं शाखा के अन्दर काउंटर पर बैठ कर काम करूंगा।’ पहली ही मुलाकात में सूरज ने मेरा दिल जीत लिया था। किताबें पढ़ने का शौक, बी.ए. में एडमिशन लेने की तैयारी और उसकी सकारात्मक सोच से मैं बहुत प्रभावित था।

सूरज रोज सुबह 9.30 बजे शाखा में आ जाता था। वह बहुत

ही जल्दी सभी कर्मचारियों और ग्राहकों का लाडला हो गया था। सरला मैडम जो शुरू-शुरू में उससे खफ़ा रहती थी, अब वह भी उसके प्रति नरमी दिखाने लगी थी। इसी बीच एक दिन पास बुक प्रिंटिंग वाली सीट का क्लर्क अचानक छुट्टी चला गया। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि शाखा में कैसे सुचारू रूप से काम होगा। किसी भी हालत में पासबुक प्रिंटिंग काउंटर बन्द नहीं किया जा सकता था, क्योंकि इससे शाखा की ग्राहक सेवा पर बुरा असर पड़ता था। सरला मैडम भी आ गईं और बोली, ‘सर कैसे मैनेज करेंगे। मैं सूरज को नहीं दूंगी, वह दोनों सीट नहीं संभाल सकता और नया है। शाखा में कोई लीव रिज़र्व भी नहीं था।’ मुझे परेशान देख कर सूरज बोला, ‘सर मैं दोनों सीट संभाल लूंगा। सर, मैं पासबुक प्रिंटिंग की सीट पर बैठ जाता हूँ और वहीं बैठ कर कैश चेक और ट्रांसफर, पोस्टिंग भी कर लूंगा और बाकी पेंडिंग काम शाम को 3.30 के बाद कर लूंगा।’ मुझे सूरज का सुझाव अच्छा लगा। उसने विश्वास दिलाया कि किसी भी ग्राहक को निराश नहीं होने देंगे।

सूरज सभी ग्राहकों से प्यार से बात करता और उस दिन लंच के समय में भी काम करता रहा। उसने शाम 6 बजे तक सारा काम निपटा दिया। मैंने सूरज को अपने पास बुलाया, उसकी पीठ थपथपाई और दोनों सीट का काम संभालने के लिए उसकी तारीफ की। उसी समय सरला मैडम भी आ गईं और कहने लगी, ‘सर, यह जो आज कमाल हुआ है, यह तो सूरज ही कर सकता था।’ सरला मैडम के मुख से सूरज की तारीफ सुन कर मुझे अच्छा लगा। प्रोबेशन पीरियड में ही सूरज ने सीबीएस के सभी आप्शन में काम करने की महारथ हासिल कर ली थी, जैसे बचत, चालू खाता खोलना, सिग्नेचर स्कैनिंग, ट्रांसफर ऑफ चेक, चेक पोस्टिंग, चेक बुक, एटीएम कार्ड देना और पास बुक प्रिंटिंग करने के अलावा, उसका ग्राहक और सभी कर्मचारियों के प्रति व्यवहार बहुत सौहार्दपूर्ण था। वह सभी से झुक कर मिलता और आशीर्वाद की याचना करता।

बैंक में कंफर्म होने पर मैंने उसको बधाई दी और उसको किताबें पढ़ने का शौक, अपनी पढ़ाई जारी रखने और बैंक में अधिकारी बनने के लिए प्रयत्नशील रहने को कहा। सूरज ने कहा – ‘सर, अभी तो मैं पूरे जोर-शोर से बैंकिंग सीख रहा हूँ,

लेकिन जल्दी सीएआईआईबी करके आगे बढ़ने की कोशिश जरूर करूंगा।' एक साल सूरज के साथ काम करने के बाद मेरा उस शाखा से स्थानांतरण हो गया, लेकिन फिर भी महीने में एक दो बार सूरज फोन कर लिया करता था। समय कैसे बीत जाता है यह तब अहसास हुआ जब बहुत दिन बाद सूरज का फोन आया और उसने कहा - 'सर, आप तो मुझे भूल ही गए हैं।' मैंने उसे कहा कि, 'जिन्दगी में कुछ लोग ऐसे होते हैं जिनका साथ बहुत कम समय का होता है, लेकिन उनको भूलना बहुत मुश्किल होता है, तुम उन्हीं में से एक हो।' बात को आगे बढ़ाते हुए कहने लगा, 'सर कलर्क से ऑफिसर टेस्ट का ऑप्शन आ गया है और भरने से पहले सोचा कि आपका आशीर्वाद ले लूं, उसके बाद ही ऑप्शन भरूंगा।' मैंने सूरज को बहुत सी शुभकामनाएं दी और कहा कि हमारे बैंक को तुम जैसे कमिटेड कर्मी की बहुत जरूरत है। कहने लगा - 'सर, तैयारी कैसे करूं।' मैंने कहा, 'तुम्हें बैंक दो हफ्ते के लिए आरएसटीसी में प्री-प्रमोशन ट्रेनिंग के लिए भेजेगा और तुम्हें बहुत सा स्टडी मटेरियल भी मिलेगा। बस इतना करना है कि क्लास रूम में ध्यान से पढ़ना है और जो पढ़ाया गया है उसको रोज़ रिवाइज़ करना है। एक महीना बस जी जान लगा कर मेहनत करो और मुझे पूरा विश्वास है कि तुम जरूर सफल हो जाओगे। यह सब सुन कर वह बहुत खुश हुआ।

कुछ दिन बाद ही सूरज का दुबारा फोन आया, वह बहुत परेशान और मायूस लग रहा था। कहने लगा, 'सर, प्री-प्रमोशन में आए हुए बहुत से कर्मचारी बी-टेक या एम-टेक है, मैं तो सिर्फ 12वीं कक्षा पास ही हूँ और बी ए की परीक्षा भी अभी पूरी नहीं हुई है। वह सभी फर्गट से अंग्रेज़ी में बात करते हैं। उनके साथ बैठ कर लगता है जैसे कि मैं उन सभी से पढ़ाई में पिछड़ा हूँ।' मैंने सूरज को दिलासा दिलाई और कहा कि, 'भले ही उनके पास बी टेक या एम टेक की डिग्री हो, लेकिन तुम जैसा बैंक के प्रति निष्ठावान और पूर्ण समर्पण वाली डिग्री उनके पास नहीं होगी। तुम अपनी मेहनत और लगन से परीक्षा की तैयारी में जुटे रहो, लेकिन उनको देख कर हतोत्साहित मत होना। मैं गर्व से कह सकता हूँ कि तुम्हारा सानी कोई नहीं। इस समय सिर्फ मेहनत, मेहनत और सिर्फ मेहनत ही करो और तुमको सफलता जरूर मिलेगी।' सूरज

कहने लगा - 'हूँ! आपकी बातें सुन कर अब मैं चार्ज हो गया हूँ और एक बार फिर से मेरे दिलों-दिमाग में ऊर्जा का संचार हो गया है।'

कुछ दिन बाद ही टेस्ट का रिज़ल्ट आया और सूरज अच्छे नम्बरों से पास हो गया। वह बहुत खुश था। मैंने उसको ढेर सारी शुभकामनाएं दी और इंटरव्यू को कैसे फेस किया जाए, उस संबंध में जानकारी दी। इसी दौरान मैं भी अपने काम में व्यस्त हो गया और कुछ दिन का अवकाश लेकर परिवार के साथ घूमने गोवा चला गया। शाम 7 बजे मैं अपने परिवार के साथ बैठ कर चाय पी रहा था कि तभी सूरज का फोन आया और उसने बताया कि वह ऑफिसर बन गया है। यह समाचार सुन कर मुझे इतनी खुशी हुई जैसे कि मेरा प्रमोशन हो गया हो। एक इंसान जो कुछ वर्ष पूर्व हमारे ही बैंक के बड़े अधिकारी की गाड़ी चलाया करता था, मतलब एम्बेसेडर गाड़ी का ड्राइवर, आज वह अपनी मेहनत, लगन, निष्ठा और ईमानदारी के बलबूते पर बैंक की ड्राइविंग सीट पर बैठ गया है, जिसके नाम से पावर ऑफ आटोर्नी बनेगी और जो बैंक के दस्तावेज़ जैसे डीडी/एल सी गारंटी और लोन पेपर पर साइन करेगा। सूरज के बच्चे दुनिया को गर्व से यह बताएंगे कि हमारे पिता जी बैंक में ऑफिसर के पद पर हैं और उसकी बीवी को लोग अफसरईन मतलब ऑफिसर की बीवी कहकर पुकारेंगे। यह कितना बड़ा एक शख्स के जीवन में 360 डिग्री का परिवर्तन हुआ है, यह सोच कर मेरी आंखें नम हो गईं।

मैंने सूरज को ढेर सारी शुभकामनाएं दी। वह इस सफलता का श्रेय मुझे दे रहा था और मैं इस सफलता को उसकी कड़ी मेहनत, लगन, ईमानदारी, बैंक के प्रति निष्ठा और प्रतिबद्धता का प्रतिफल कह रहा था। मुझे लग रहा था जिस मां-बाप ने इसका नाम सूरज रखा, उस नाम को आज सूरज ने सार्थक कर दिखाया। अब मुझे उस दिन का इंतज़ार है जब वह किसी शाखा का प्रबंधक होगा।

**फंडा : "कौन कहता है आसमां में सूरख नहीं हो सकता, एक पत्थर तो तबीयत से उछालो यारो...!"**

\*\*\*\*\*

# “भारत का परचम” (टोक्यो ओलंपिक 2020)



**अमित कुमार**

परिसर व संपदा अनुभाग  
अंचल कार्यालय पटना

सर्वप्रथम "मीराबाई चानू" ने  
वेट लिफ्टिंग में परचम लहराया !  
भारत को रजत पदक से खाता खुलवाया !!  
भारत को रजत पदक से खाता खुलवाया !!  
फिर देश की दूसरी बेटी "लवलीना" ने  
बॉक्सिंग में कांस्य पदक जीत कर,  
देश का सिर ऊंचा करवाया !!

अब बारी थी "सिंधु" की,  
पिछला इतिहास दोहराने की,  
बिना पदक खाली हाथ न लौटने की,  
अंत तक लड़ी वो, गिर कर उठी, उठकर संभली वो !  
कांस्य पदक ही जीतकर सही  
देश की लाज रख ली वो !!

अब थी लड़कों की बारी,  
कंधों पर थी देश की ज़िम्मेदारी !!  
पुरुषों की हॉकी टीम ने भी  
क्या कमाल दिखलाया !!  
41 सालों बाद हॉकी का इतिहास दोहराया !!

रवि दहिया और बजरंग पूनिया ने भी ,  
कुरुती में मेडल जीत, देश का मान बढ़ाया !!  
बेटियों ने भी हॉकी में क्या हौसला दिखलाया !

भले ही पदक न जीत सकी वो, पर  
लाखों लोगों का दिल जीतकर दिखलाया !!  
आज देश की बेटियों ने,  
समाज की बेड़ियों को तोड़ा है !  
घर की चारदीवारी को छोड़ा है,  
ओलंपिक खेल में नया इतिहास रचाया है !  
भारत के तिरंगे को विश्व के मानस पटल पर लहराया  
है !!

"नीरज चोपड़ा" ने भी अद्भुत खेल दिखलाया,  
भारत मां के माथे पर "स्वर्ण तिलक" लगाया !!  
भारतीय इतिहास को भाला फेंक में,  
स्वर्ण अक्षरों से लिखवाया !!

आओ हम सब मिलकर  
इन खिलाड़ियों का सम्मान करें !  
खेल के इस नए युग का  
हम सब गुणगान करें !!

जब जन गण मन की धुन  
टोक्यो ओलंपिक में बजती थी,  
तो दिल से बस यहीं आवाज़ निकलती थी,  
‘मेरा देश महान, मां तुझे सलाम’!!

# अध्ययन की प्रासंगिकता और केनरा बैंक के प्रयास



**विश्वनाथ प्रसाद साहू**  
अधिकारी (राजभाषा)  
क्षेत्रीय कार्यालय, संबलपुर

आदि काल से मनुष्य के जीवन में अध्ययन का व्यापक महत्व रहा है। प्राचीन काल में गुरुकुल की संकल्पना से शिक्षा का आविर्भाव हुआ, जहां गुरु शिष्य की परंपरा का जन्म हुआ। हम अध्ययन के महत्व का अंदाज़ा इस बात से लगा सकते हैं कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम ने भी अध्ययन के लिए अपने महल को छोड़कर महर्षि वशिष्ठ के आश्रम में अपनी शिक्षा प्राप्त की। अब गुरुकुल का स्थान विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों ने लिया है, उसी प्रकार गुरु को शिक्षक, व्याख्याता एवं प्राध्यापक ने स्थानांतरित किया है। पठन-पाठन ने मानव को पशुओं से भिन्न बनाया है। बचपन में अक्सर हमें कहा जाता है कि 'पढ़ोगे लिखोगे तो बनोगे नवाब, जो तुम खेलोगे तो होंगे खराब'। हमारे सामाजिक परिवेश में यह माना जाता है कि पढ़ाई केवल एक नौकरी पाने के लिए ही की जाती है। यह सर्वथा एक मिथ धारणा है। किंतु यह भी सत्य है कि निरंतर और सही दिशा में अध्ययन ने अभ्यर्थियों को फर्श से अर्श पर लाकर खड़ा किया है। हमें ऐसे कई उदाहरण देखने को मिलते हैं जहां छोटे गांवों, कस्बों, शहरों के किसी किसान, रिक्शावाले, ऑटोवाले, पंचर बनाने वाले के पुत्र/पुत्री ने शिक्षा को अपनी जमा पूंजी बनाकर अध्ययन के माध्यम से देश-दुनिया में ख्याति अर्जित की।

बैंकों में रोजगार के अवसर के लिए भी देश के असंख्य युवा अपनी मूलभूत शिक्षा के बाद प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के लिए अध्ययनरत रहते हैं और कड़ी मेहनत करते हैं। इसी कारण सेवा उद्योग में बैंक कर्मचारियों की गिनती सबसे पढ़े लिखे कार्मिकों की श्रेणी में की जाती है। एक बैंक कर्मी अध्ययन कार्य से प्रतिदिन जुड़ा रहता है, भले ही वो

दिशानिर्देशों के अनुपालन हेतु परिपत्र, ई-मेल, ज्ञापन, अन्य संसूचनाओं आदि के अध्ययन का कार्य ही क्यों न हो। बैंकों में नियमित रूप से जनहित में वित्तीय सेवाएं विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार के आदेशों, भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशानिर्देशों, बैंक के नए जमा व ऋण उत्पादों संबंधी जानकारी, ग्राहक सेवा संबंधी निर्देश, परिचालन संबंधी मानदंड, विज्ञापन, नए संशोधन आदि प्रसारित की जाती हैं, जिनके बारे में जानना एवं बैंकिंग क्षेत्र में हो रहे विकास के प्रति स्वयं को जागरूक करना एक बैंक कर्मचारी की सेवाओं की अनिवार्य अपेक्षाओं में से एक है। इस प्रकार, बैंक कर्मी के स्वभाव में ही अध्ययन है। हालांकि, आज के परिवेश में बैंक कर्मचारियों की जीवनशैली अपेक्षाकृत तनावपूर्ण है। जहां अपनी संस्था के विकास के लिए बैंक कर्मचारी विभिन्न प्रकार के मानदंडों जैसे- कासा, अग्रिम, प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रों आदि के लक्ष्यों को साधने में निरत रहते हैं। कदाचित समय का अभाव है, किंतु अध्ययन भी एक महत्वपूर्ण पहलू है, जिससे हमेशा लाभ ही होगा।

## अध्ययन कैसे करें ?

(विफलता के कारणों एवं उपायों सहित)



## अध्ययन को आदत बनाने से लाभ:

मानवजाति के लिए अध्ययन सदैव ही हितकर रहा है। अंग्रेजी के निबंधकार, कवि, कथाकार जोसेफ एडिशन ने अध्ययन के संबंध में कहा है कि "मस्तिष्क के लिये अध्ययन की उतनी ही आवश्यकता



है, जितनी शरीर के लिये व्यायाम की।” यह कथन पूर्णतः सत्य है। अध्ययन हमारे मस्तिष्क को क्रियाशील रखता है। कुछ लोग धार्मिक पुस्तकों का अध्ययन करते हैं तो कुछ पौराणिक, विद्यार्थी अपनी पाठ्य पुस्तकों का, साहित्य प्रेमी साहित्य से संबंधित रचनाओं का, सामान्य व्यक्ति अपने आस-पास के वातावरण, देश-विदेश की घटनाओं के बारे में जानने, अपना बौद्धिक क्षमता बढ़ाने, स्वयं को अद्यतित रखने के लिए समाचार-पत्रों, पत्र-पत्रिकाओं का, नौकरी के लिए प्रयासरत युवा रोजगार संबंधी प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में भाग लेकर जीवन संवारने आदि के लिए अध्ययन करते हैं। अंततः अध्ययन हमारे ज्ञान में वृद्धि करता है और हमें लाभ ही पहुंचाता है। अध्ययन से कई लाभ हासिल होते हैं जो इस प्रकार हैं :



### ज्ञान के स्तर में वृद्धि :

नियमित अध्ययन से हमारे ज्ञान के स्तर में वृद्धि होती है जिससे बौद्धिक विकास होता है। वर्तमान समय में स्वयं को अद्यतित रखना समय की मांग है। वैसे भी कारोबार के विकास के लिए एवं अवसरों को भुनाने

के लिए बैंकिंग जगत सदैव परिवर्तनों के अनुरूप बदलता रहता है। बैंकों में दिन-प्रतिदिन भारत सरकार के विभिन्न विभागों के दिशानिर्देश, भारतीय रिज़र्व बैंक के निदेश, नए-नए परिपत्रों के माध्यम से सामान्य परिचालन संबंधी निर्देश, नए उत्पादों का आरंभ, तत्संबंधी जानकारियां, ई-मेल के माध्यम से संसूचनाएं आदि प्रसारित किए जाते रहते हैं। इस प्रकार नियमित अध्ययन से अपने कार्यक्षेत्र में उत्कृष्ट निष्पादन किया जा सकता है।

### शब्दावली में वृद्धि :

कालांतर में सभी भाषाओं में अन्य भाषाओं से शब्द आए हैं। उदाहरणार्थ हिंदी भाषा को ही देखा जाए तो इसमें संस्कृत, उर्दू, फारसी, अंग्रेज़ी के शब्दों की भरमार है। इस प्रकार कोई व्यक्ति यदि हिंदी के पत्र-पत्रिकाओं, कहानियों, नाटकों, फिल्मों का ही रसास्वादन करता है तो उसका परिचय अन्य भाषाओं के शब्दों से भी होता है। जैसे- ट्रेन, सैलेरी, स्टेशन

अंग्रेज़ी, तनख्वाह, अखबार, आईना शब्द उर्दू से आते हैं। इन शब्दों का चलन आम है और इनका प्रयोग हिंदी वाक्यों में बिना किसी रोक-टोक के होता है। इस प्रकार नियमित अध्ययन से शब्द भंडार में वृद्धि होती है।

### लेखन कौशल में वृद्धि :

लेखन एक कला है और मानव मस्तिष्क की सबसे कुशाग्र शक्ति। कलम की ताकत का वर्णन करते हुए रामधारी सिंह दिनकर ने अपनी कविता “कलम या कि तलवार” में लिखा है:

“कलम देश की बड़ी शक्ति है भाव जगाने वाली,  
दिल की नहीं दिमागों में भी आग लगाने वाली”।

लेखन कौशल विद्यार्थी जीवन से ही साथ रहती है। बैंक में सभी कार्मिकों में लेखन कौशल का होना अत्यावश्यक है। बैंकों की शाखाओं में नए ग्राहकों के लिए स्वागत-पत्र तैयार करने से लेकर उधारकर्ताओं को ऋण स्वीकृति पत्र जारी करना, ग्राहकों की शिकायतों, सूचना के अधिकार के तहत उत्तर देना, कार्यालय टिप्पण, मसौदा तैयार करना आदि में लेखन कौशल की नितांत आवश्यकता है। अध्ययन की आदत से कार्मिक विविध प्रकार के आलेखों को ध्यान में रखते हुए अपने लेखन कौशल का विकास कर सकते हैं।

### विश्लेषण क्षमता में वृद्धि :

समाचार पत्रों, पत्रिकाओं में समसामयिक विषयों से संबंधित क्षेत्र के विद्वानों / विदुषियों के आलेख और उनके विचार प्रकाशित होते हैं। यह विषय देश में क्रियान्वित की गई नई योजनाओं, सरकार के कार्यों की समीक्षा, जनसाधारण की अपेक्षाएं, कारोबार के बदलते मिज़ाज आदि पर होते हैं। इन विषयों पर विशेषज्ञों की राय का अध्ययन एवं मनन करने से अपनी विश्लेषण क्षमता बढ़ती है।

### व्यक्तित्व विकास :

वर्तमान परिदृश्य में व्यक्तित्व विकास बैंक कार्मिकों की अनिवार्य अर्हताओं में शामिल है। कारोबार के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए बैंक कर्मियों को संभावनाओं की तलाश में ग्राहकों से संपर्क स्थापित करना होता है। निरंतर अध्ययन



इस उद्देश्य की सिद्धि में मील का पत्थर बनता है तथा कार्मिकों में सूचनाओं का संचार, नई जानकारियों का प्रसार करते हुए व्यक्तित्व विकास में सहयोग करता है तथा स्थल के वातावरण, संस्कृति को समझने में सहायक होता है।

### केनरा बैंक द्वारा अपने कर्मचारियों को अध्ययन के लिए प्रोत्साहित करने की दिशा में उठाए जा रहे कदम:

केनरा बैंक कारोबार में वृद्धि के साथ-साथ अपने कर्मचारियों के बौद्धिक विकास के लिए भी प्रतिबद्ध है। बैंक ने अपने कार्मिकों को अध्ययन के लिए प्रोत्साहित करने हेतु विभिन्न कदम उठाए हैं। केनरा बैंक अपने कार्मिकों में अध्ययन के प्रति जागरूकता लाने एवं पठन-पाठन के लिए प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न प्रकार के कदम उठाए हैं। इस क्रम में पहली कड़ी है: पत्रिकाओं का प्रकाशन केनरा बैंक में द्विमासिक गृह पत्रिका “श्रेयस” तथा त्रैमासिक हिंदी गृह पत्रिका “केनरा ज्योति” का नियमित प्रकाशन किया जाता है।

‘श्रेयस’ में हिंदी एवं अंग्रेजी दोनों भाषा के आलेखों को स्थान दिया जाता है। इस पत्रिका का प्रकाशन गृह पत्रिका एवं पुस्तकालय अनुभाग द्वारा द्विमासिक आधार पर किया जाता है। इस पत्रिका के 277 अंकों का सफलतापूर्वक प्रकाशन किया जा चुका है। द्विमासिक आधार पर स्टाफ सदस्यों से एक विशेष विषय पर आलेख, कविताएं, यात्रा-वृत्तांत आदि लेख आमंत्रित किए जाते हैं। इस पत्रिका में प्रकाशित लेखों के लिए राशि, मानदेय के रूप में दी जाती है। इसके अतिरिक्त, स्टाफ सदस्यों को अध्ययन के प्रति प्रोत्साहित

करने हेतु गृह पत्रिका एवं पुस्तकालय अनुभाग द्वारा प्रतिवर्ष श्रेयस प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है जिसमें 14 श्रेणियों में प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है तथा आकर्षक पुरस्कार के साथ प्रशस्ति पत्र प्रदान किए जाते हैं।

‘केनरा ज्योति’ केनरा बैंक की त्रैमासिक हिंदी गृह पत्रिका है जिसका प्रकाशन राजभाषा अनुभाग, प्रधान कार्यालय द्वारा किया जाता है। इस पत्रिका के 28 अंकों का सफलतापूर्वक प्रकाशन किया जा चुका है। प्रत्येक तिमाही स्टाफ सदस्यों से बैंकिंग के समसामयिकी एवं हिंदी विषयों पर आलेख, कविताएं, यात्रा-वृत्तांत, कहानी आदि लेख आमंत्रित किए जाते हैं। इस पत्रिका में प्रकाशित लेखों के लिए बैंकिंग एवं हिंदी से संबंधित लेखों पर राशि, मानदेय के रूप में दी जाती है। इसके अलावा, राजभाषा अनुभाग, प्रत्येक वर्ष हिंदी के प्रचार-प्रसार को गति देने के लिए अंतर/अंतरा बैंक हिंदी प्रतियोगिताओं का आयोजन करता है। हिंदी शिक्षण योजना के तहत हिंदी में प्रबोध, प्रवीण, प्राज्ञ एवं पारंगत पाठ्यक्रम उत्तीर्ण करने वाले कार्मिकों के लिए भी प्रोत्साहन राशि प्रदान किए जाने का प्रावधान किया गया है। हाल ही में बैंक ने हिंदी में उच्चतर योग्यता अर्जित करने वाले स्टाफ सदस्यों को प्रोत्साहन राशि प्रदान करने के संबंध में भी संसूचना जारी की है। इसके अतिरिक्त, केनरा बैंक विभिन्न बैंकिंग एवं बीमा, अनुपालन आदि पाठ्यक्रमों में उत्तीर्ण होने वाले कार्मिकों को भी उचित प्रोत्साहन राशि प्रदान करता है।

कहा जाता है कि परिवर्तन प्रकृति का नियम है और इस बदलते माहौल में बैंक ने वक्त के साथ चलते हुए पारंपरिक बैंकिंग को पीछे छोड़कर नई प्रणाली की बैंकिंग में स्वयं को ढाला है। इस परिवर्तन के सांचे सुरक्षित रहने एवं सतत विकास के लिए नियमित अध्ययन की आदत बैंक कार्मिकों के लिए श्रेयष्कर है। लक्ष्यों को प्राप्त करना हो, चाहे उच्च स्तर की ग्राहक सेवा प्रदान करनी हो या फिर कारोबार के नए आयामों को छूना हो, इसके लिए ज्ञान की परम आवश्यकता है, जिसके लिए अध्ययन को आदत बनाना बैंक कार्मिकों के लिए उपयुक्त होगा।

\*\*\*\*\*

## My reading habit



**Dhanya Palani Yadav**  
SWO-A  
Bandra Kurla Complex  
Mumbai

I began reading as a child when my amma (mother) introduced me to the magical world of books. My love for comics and children's books gradually made me fall in love with reading itself. I began reading anything and everything I could lay my hands on. I believe the habit of reading has a profound impact on our mind, our soul, on an individual level and on the society as a whole.

I personally prefer reading because books provide a peek into the minds and give access to the thought process of different characters, which is impossible in real life. So we understand not just the reason for people behaving in a particular way, but also how they justify their beliefs and actions to themselves. In social interactions, we often filter our thoughts. But some fiction books have narratives that are so brutally honest, which sometimes make us feel like, getting a peek into the mind of characters having a conversation with themselves. At other times, we feel like we are having a private, intimate conversation with the characters.

People who love reading generally have more empathy, I have observed. One of the main reasons for this could be that effective fiction reading develops our ability to place ourselves in someone's shoes and think and feel. Reading has helped me communicate my intentions and thoughts in an effective manner. Vocabulary has expanded organically. As a result, my writing skills have improved drastically. I have been able to share my experiences and perspectives on several platforms.

The 'Books to read' list that I maintain comes to my rescue when I wonder what to read next. I have also experimented reading multiple books at a time. I choose books of different genres for this purpose. Choosing the right books based on our mood or need and reading them could give us incredibly useful insights. Such reading could, in fact, be a good therapy. I also note down quotes or lines from books that have impacted me deeply.

I love books that compel me to take a pause, put the book down, reflect, and assimilate my thoughts. My favourite books are the ones that make me ponder effortlessly and organically, the ones that plant a new thought, the ones that contradict my beliefs, the ones that shift my perspective. I strongly believe that books which make us question have the potential to revolutionize our world - both inner and outer.

My amma has been my reading partner. I have always loved reading books for her, often translating them to Tamil. Not only has it helped us understand the books better, but also each other. Whenever I spot someone reading a book on a train, I would feel compelled to have a conversation with them. I have read books with random strangers, in the Mumbai local trains and made some amazing friends over book discussions.

When I used to read Marathi books for my visually challenged friends in college, and they would laugh at my pronunciation of certain words and teach me the right way to say them or explain their meaning, it allowed me to see the world through their vision. They also exposed me to the world of audio books. We would listen to the audio cassettes of novels and I was amazed at how wonderful it felt to listen to books together.

Traditional libraries and their emphasis on silence have never really appealed to me personally. I have always considered books as bridges between people and the worlds they inhabit. Probably why, when I first went for a book club meeting, within a few minutes, I felt like I was in a world where I belonged. We didn't need to know each other personally to feel comfortable, our perspective on different characters in a book helped us form a bond.

So during these tough times of lockdowns, as we turn to books for solace, but struggle to find a quiet corner for ourselves, let's just 'Read together'!

\*\*\*\*\*

# बचपन

क्यों लौट गए बचपन तुम अकेला छोड़ जवानी में,  
फिर न बनी कागज़ की कश्ती, न मज़ा रहा बारिश के पानी में।

फिर न हुई कभी आँख-मिचौली, न छुपन-छुपाई फिर खेली,  
बस यादों में सिमटी रह गयी बचपन वाली पक्की सहेली।

फिर न दोस्त पुराने मिले, न हंसी ठहाका फिर गूंजा,  
ऊंची-ऊंची इमारतों में रहकर, अकेले सारा जीवन बीता।

निकलकर कस्बों से हम बड़े शहरों में आ बसे,  
एक नौकरी के चक्कर में सौ उलझनों में जा फंसे।

अब निकलते हैं घर से तो खुद ताला लगाना पड़ता है,  
ज़िन्दगी को कैद कर घर में, काम पर जाना पड़ता है।

रह जाता है घर बिल्कुल सूना, हम सूनेपन में रहते हैं,  
ना हाल-चाल पूछता कोई, बस अनजान पड़ोसी रहते हैं।

माना कि बचपन अब लौट के तुम न आ सकते हो,  
वो बेफिक्री का अंदाज़ हमारा वापस अब न ला सकते हो।

पर एक ख्वाहिश दबी-दबी सी दिल में बाकी रहती है  
खुबसूरत जवानी को हमेशा बचपन की तलाश रहती है।

काश लौट आये वो दिन जब हम फिर से छोटे हो जायें,  
फिर कागज़ की कश्ती बने, और आँख मिचौली खेली जाये।

फिर दोस्त पुराने मिल जायें, और हंसी ठहाकें फिर गूंजे,  
बचपन वाली मस्ती में फिर रंग-बिरंगे दिन बीतें।

रह न जाये ऐसा कुछ भी जिसको हम न जी पाएँ,  
भूलकर सारी ज़िम्मेदारी एक बार फिर बच्चे बन जाएँ।



**अस्मिता द्विवेदी**

सहायक प्रबंधक  
खुदरा आस्ति केन्द्र,  
जबलपुर

# REVEL IN IT



**Bharathi D**  
 SWO-A  
 Zonal Inspectorate  
 HO, Bengaluru

A world by itself, a paradise indeed  
 Revel in it, my brother, revel in it  
 Revel in the realm of reading  
 With fervour and spirits soaring.

You with whom the vice commit blunder  
 Sprawl abuse, peeve and demeanour  
 Backlash them-- not with blood and thunder  
 But with a script, fetish and marauder.

You, if a pupil in pursuit of academic accolades  
 Will explore and unravel the promenades  
 Of knowledge, intricately woven as a brocade  
 And flowing with the radiance of a cascade

When enthralled and zeal high in air  
 An ethereal reading is all you care  
 Snatching these moments of thrill, I swear  
 None on earth would even dream to dare.

When crippling in grief and immersed in wails  
 It's a healing tonic for sombre and travails  
 An anchor during grim, a respite from gloom  
 A navigator to sail your life in veritable bloom.

Fiction novels, dramatic and charismatic  
 Are unpragmatic , unrealistic, yet fantastic  
 You soar the high clouds, cross the arid sand  
 With nothing much, but a book in your hand.

When down with drudgery and lethargy  
 It lures you into a world of fabulous fantasy  
 When with helpless mind in ruthless turbulence  
 It guides you with vibrant diligence and prudence.

With piping hot coffee on a chill misty day  
 A suspense thriller is sure to bring you gay  
 On a scorching sunny day, brother, do not grimace  
 A side splitting comedy and it rains in your terrace.

As you age, be not gritty and grumpy  
 Spirituality and Philosophy will keep you happy  
 The enlightening insights make you ponder  
 The nuances of life and death with total wonder.

For every confusion and precarious situation  
 You sure can find a precise solution  
 A click and a tick opens the world you need  
 All you should do is, READ brother READ.



**Akash Saransh**

S/o Sri SUSHANT KUMAR

Manager

HRM Section, Circle Office, Mumbai



**Aadya Amar Fandi**

D/o Sri Amar Digamber Fandi

SWO-A, Barbadi Branch



**Yohan Stoey**

S/o Mrs. Alina Jose Menoth

SWO-A, HRM Section,

Circle Office, Mumbai

**Shreyas, in homage to Canbank's departed souls,  
pray that they rest in bliss, in the eternal palace.**

**Death, said Milton, is the golden key  
that opens the palace of eternity.**

Name	Staff No	Designation	Branch	Expired on
SHAILENDRA BHATNAGAR	77524	SR MANAGER	HEAD OFFICE BENGALURU	01-05-2021
KEMPI	71884	HKP	BELAGOLA	05-05-2021
CHINTALA VEERA RAGHAVIAH	745442	CLERK	MULUKUDURU	09-05-2021
SOWJANYA JEEVIGUNTA	639907	MANAGER	VIJAYAWADA SME	11-05-2021
PILLA CHINA NAIDU	88821	SR MANAGER	VISHAKAPATNAM REG OFFICE	13-05-2021
KRISHNA C H SABAR	496146	CLERK	BHUTASARASINGI	13-05-2021
RAMBABU MUTYALA	68083	MANAGER	RAJAHMUNDRY REGIONAL OFFICE	16-05-2021
VIVEK SRIVASTAVA	572761	SR MANAGER	MASUR	18-05-2021
RAJESH TALLA	617763	ASST MANAGER	SURAMPALEM	18-05-2021
DILIP SINGH	103384	SWO A	BENGALURU RT NAGAR	18-05-2021
MINHAJ ALAM	102513	SWO A	DELHI (S) FOREIGN DEPARTMENT	19-05-2021
MIRIYALS RANGAMMA	627841	HKA	TEKKE NANDYAL	19-05-2021
KAMAL KISHOR	73041	OFFICER	DELHI ACCOUNT SECTION	21-05-2021
NAGESH G H M	58835	SWO B	B'LURU JAYANAGAR 9TH BLK SB	21-05-2021
S KUMAR	68866	DAFTARY	ARNI N A DIST	22-05-2021
MEENADEVI G	68207	OFFICER	KAMMASANDRA	24-05-2021
ABADH GOUTAM	622123	ATTENDER	BAHJOI	27-05-2021
RAMEH KUMAR	60223	MANAGER	HOSHIARPUR	01-06-2021
SUMATHI KS	45451	SPECIAL ASST	CHENNAI KILPAUKP P.H.ROAD	02-06-2021
K M BHAVANI SHANKAR	76829	SWO A	BENGALURU CHIKKABIDARAKALLU	02-06-2021
CHANDRAKANT S PAKHARE	388830	CLERK	MUMBAI SERVICE BRANCH	02-06-2021
BIPIN BIHARI DAS	72735	SR MANAGER	CHANDAKA JOGISAHI	04-06-2021
SURESH S	558620	ATTENDER	CHANDHI NAGAR, BELLARY	05-06-2021
MAHADEVAIAH K	526249	ATTENDER	SOMANAHALLI	08-06-2021
RAJEEV RANJAN KUMAR	69244	SR MANAGER	MUZAFFARPUR REGIONAL OFFICE	09-06-2021
SAMIR RANJAN PATRA	769882	MANAGER	HARIRAJPUR	09-06-2021
V LAKSHMANAN	52613	SR MANAGER	CHENNAI METROPOLITAN WSS BOARD	10-06-2021
VIDYA BHUSHAN	592020	SR BRH MANAGER	KANTI	12-06-2021
BEEST KUSHMA	833825	PROB OFFICER	CHITHRADURGA	12-06-2021
C M HARILAL	58762	AGM	HEAD OFFICE BENGALURU	13-06-2021
SIMON VP	67280	SWO A	COIMBATORE SELVAPURAM	13-06-2021
GOPALAN C	67289	DAFTARY	MALAPURAM MAIN	13-06-2021
DEVANAYAGAM K	80543	HKP	MANOOR	14-06-2021
BHAVANI C	58230	OFFICER	BENGALURU DOMLUR	15-06-2021
MAHALAKSHMI K	92994	HKP	UTHAMAPALAYAM	16-06-2021
KANNAN R	529543	HKA	BENGALURU RAJAJINAGAR	17-06-2021

Name	Staff No	Designation	Branch	Expired on
J V SATHYANARAYANA PRASAD	397393	DGM	HEAD OFFICE BENGALURU	18-06-2021
TEKADHAR MEHER	633985	BRH MANAGER	KENCHANAGUDDA	19-06-2021
A DHAYANIDHI	116027	MANAGER	THANJAVUR REGIONAL OFFICE	29-06-2021
PRATIK PAJANKAR	116603	PROB OFFICER	ICHALKARANJI	30-06-2021
VIDYA R	105899	OFFICER	PATHANAMTHITTA	30-06-2021
ROHIT MEENA	678966	CLERK	JAIPUR-II REGIONAL OFFICE	01-07-2021
GURMUKH SINGH	76959	HKP	CHANDIGARH CUR CHEST	01-07-2021
MANOJ KUMAR	70301	PEON	PATNA SOUTH GANDHI MAIDAN MAIN	02-07-2021
A NATARAJAN	55243	DAFTARY	SALEM ACCOUNTS SECTION	03-07-2021
SANGAMESHWARA A	101065	HKP	SHAHABAD	04-07-2021
TARUN PUTHUMBAKU	610883	SR MANAGER	HEAD OFFICE BEBGALURU	07-07-2021
ASHIS KUMAR	73752	HKP	VIKASNAGAR	07-07-2021
SUSHANT KUMAR	657587	BRH MANAGER	LOHAI	08-07-2021
C GANESAN	63426	SR MANAGER	KEERANUR (PKT)	09-07-2021
HANUMAPPA KANAKAPPA HANDRA	92919	HKP	BENGALURU TUMAKURU ROAD	11-07-2021
PUNEET KUMAR SHUKLA	547293	SR MANAFGER	HEAD OFFICE BENGALURU	12-07-2021
SULEMAN MARKI	59263	OFFICER	CHAKRADHARPUR	12-07-2021
N V RANGACHARI	425740	CLERK	HYDERABAD KACHEGUDA RLY STN	12-07-2021
KISHOR CHANDULAL PATIL	380209	MANAGER	PUNE CAMP	13-07-2021
CHINTAN RAJESHBHAI THAKA	815853	ATTENDER	RATNAPUR	17-07-2021
THILAGA VENI K	58221	SWO A	BENGALURU INDIRA NAGAR	19-07-2021
VELANKANNI A	529130	HKA	CHENNAI KK NAGAR	22-07-2021
RAVI PANCHAL	101040	HKP	KHIRBI	22-07-2021
KALICHARAN GIRI	51470	DAFTARY	SARAI CHABILA	23-07-2021
S ANTHONY	72282	HKP	CHENNAI RADHANAGAR CHROMPET	24-07-2021
VEERA KUMAR RAJULAPATI	116722	OFFICER	VIJAYAWADA REGIONAL OFFICE	02-08-2021
R J SEBASTIAN	57056	SWO A	PALAI ARUNAPURAM	02-08-2021
SANTOSH KUMAR BHASKAR	70469	DAFTARY	ATRAULI	03-08-2021
RADHA V	517627	ATTENDER	BANGALURU VASANTH NAGAR	05-08-2021
MONU MUKESH	740584	HKA	SIRASWAGAUER	07-08-2021
PUSHPENDRA SINGH	732989	ATTENDER	LUCKNOW NAKA HINDOLA	11-08-2021
K L PADMAVATHI	58599	SWO A	HYDERABAD VENGALA RAO NAGAR	13-08-2021
DANTU SRINIVAS	47475	DGM	HEAD OFFICE BENGALURU	14-08-2021
S RUKUMANAGATHARAJ	611866	CLERK	ORAGADAM	14-08-2021
P K SARMAH	47679	PROB OFFICER	JORHAT	20-08-2021
ANJANA MOHAN J S	96998	MANAGER	NAMAKKAL	24-08-2021
CHARAN KANHAR	69372	SWO A	BHUBANESHWAR CUTTACK ROAD	24-08-2021



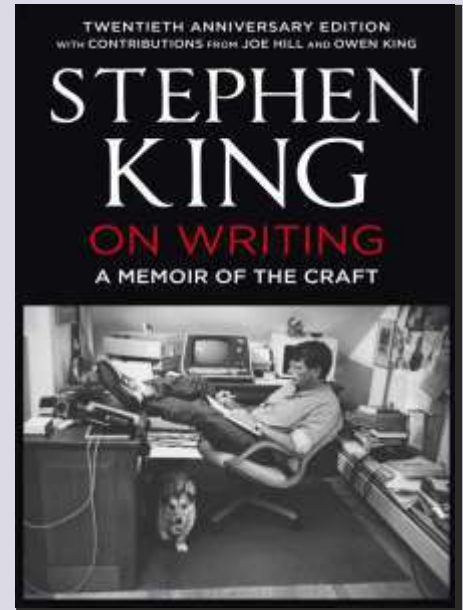
# ON WRITING

## A MEMOIR OF THE CRAFT

Book Review

— Stephen King

The world renowned author **Stephen King** has written over 80 books, most of it falling in the genre of “horror” and the “super natural”. He is rightfully referred to as “the king of horror” by millions of his fans worldwide. His chronicle “**On Writing: A Memoir of the Craft**” is a delectable read, partly autobiographical, which describes his experiences as a writer and is peppered with valuable insights for budding writers. Through this immensely helpful and illuminating literature, King shares his habits, practices and convictions that has shaped him and his work/ craft and catapulted him to the coveted pedestals of one of the most widely read authors (since Charles Dickens). The very opening lines of the book set the tone and the texture for what is to follow and as a reader you easily get swept away by the author’s brutal honesty and his enduring love for his craft (writing).



This wonderful book is divided in to 4 chapters. In this first one, which is aptly titled as “C.V”, King talks about his trials and tribulations as a young writer, his nostalgic revelations and enriching anecdotes from his childhood, his struggles with alcoholism and how writing helped him to overcome this. He blatantly reveals that television is poisonous to creativity and if you want to become a writer there are no short cuts but to “read and lot and write a lot” and consistently refine and re-evaluate your work. In the second chapter “Toolbox”, King reveals the rudimentary tools that every writer should possess/ master - like proper grammar, good vocabulary and other tenets/ elements required for writing. He often refers “The Elements of Style” by William Strunk Jr & E B White which King feels should be the bible for any budding writer wanting to make it big. The third chapter, synonymous with the title of the book “On Writing” is about the intricate labyrinths of the art- the importance of regular writing and reading (as a habit) and how one should write keeping the ideal reader in mind.

The final section “On living: A Postscript”, arguably the best part of the book, is the compelling narrative about how King's primitive urge to write helped him to claw back into life after a debilitating terrible accident in the year 1999, which completely crushed his lower torso. Understanding King's compulsion to write, his wife (Tabitha) established the wheel-chaired author at a make shift desk, away from the prying eyes of visitors, from where King churned out pages upon pages of mind blowing and exquisite content , which later on became popular novella and novels.

“On Writing” is a bizarre, absorbing and an inspirational story/ memoir told by one of the greatest story tellers of our times. It is like a beacon of light to all nervous and aspiring writers out there, giving them the confidence to take that first step towards realising their dreams.



Kishore Thampi



दिनांक 14.09.2021 को अंचल कार्यालय, दिल्ली के दौरे पर गए श्री एल वी प्रभाकर, प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी का स्वागत करते हुए श्री एम परमशिवम, मुख्य महा प्रबंधक, अंचल कार्यालय, दिल्ली।

Sri L V Prabhakar, MD & CEO is being welcomed by Sri M Paramasivam, CGM on his visit to Circle Office, Delhi on 14.09.2021.



दिनांक 01.09.2021 को प्रधान कार्यालय में हिंदी माह के उद्घाटन समारोह के अवसर पर श्री बृज मोहन शर्मा, कार्यपालक निदेशक, श्री एल वी आर प्रसाद, मुख्य महा प्रबंधक, श्री एस रामसुब्रमणियन, मुख्य महा प्रबंधक, श्री एस शंकर, महा प्रबंधक और श्री एच एम बसवराज, उप महा प्रबंधक।

Sri Brij Mohan Sharma, ED, Sri L V R Prasad, CGM, Sri S Ramasubramanian, CGM, Sri S Shankar, GM, and Sri HM Basavaraja, DGM are seen at the inaugural ceremony of Hindi Month at Head Office on 01.09.2021.



Sketch by :  
**Murugan G**  
SWO-A,  
Muttada Branch



Shreyas contest 2020  
Sketch  
Category A - 1st prize

